महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

स्नेह वही मीठा फल है जो किसी को दिया जाए तो सर्वोत्म उपहार है ओर किसी से मिल जाए तो सर्वोत्म सम्मान है

वर्ष : 16 अंक : 217 | उज्जैन, शुक्रवार 16 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

न्यूज ब्रीफ

आने वाला है बजट, बड़े शहरों के साथ छोटे-मझोले शहरों को क्या है उम्मीद?

नई दिल्ली/ जीएनएस। शहर पर दबाव बढ़ता जा रहा है। वर्ष 2030 तक लगभग 45 फीसद आबादी शहरों में होगी। पर शहर उस हिसाब से उन्नत नहीं हो रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में खासतौर से केंद्र सरकार की नजर तो शहरी व्यवस्था और विकास पर गई है लेकिन इसके लिए जिस गति और फंड की जरूरत है वह पूरा नहीं हो रहा है। छोटे तो दूर, बड़े व सुविधाओं के हिसाब से कथित उन्नत शहरों में भी सौ फीसद साफ पानी और हवा, सीवर सिस्टम, बिजली, बेहतर सार्वजनिक यातायात जैसी मूलभूल सुविधाएं अपर्याप्त हैं। पैदल यात्री तो नजरों से ही ओझल हैं। शहरों के सीमित संसाधनों पर बोझ बढ़ता जा रहा है और उसके लिए दीर्घकालिक उपाय की जगह सिर्फ त्वरित उपाय ढूंढे जा रहे हैं। जरूरी है कि शहरी विकास केंद्र से लेकर राज्य तक के प्राथमिक एजेंडे में शामिल हो। फिलहाल केंद्रीय बजट आने वाला है और उसके बाद राज्यों के बजट पेश होने हैं। आंकड़ों के हिसाब से देखें तो कई योजनाएं चल रही है। केंद्र की ओर से लाखों करोड़ रुपये के फंड दिए हैं लेकिन नतीजा निराश ही करता है। शहरी विकास वैसे तो राज्य का विषय है, लेकिन अकेले राज्यों के भरोसे इन शहरों को सक्षम नहीं बनाया जा सकता है। ऐसे में शहरी विकास को दो तरीके से देखा जाना चाहिए। कुछ योजनाएं समग्र रूप से चलाई जा सकती हैं जैसे पेयजल, सीवर आदि के लिए अमृत योजना चल रही है। लेकिन इसके लिए अलावा शहरों की दूसरी विशिष्ट जरूरतें होती है उसके लिए भी इंतजाम होने चाहिए। छोटे कस्बे से बढ़ रहे शहरों के लिए अनुभवी प्लानर नियुक्त होने चाहिए और तय समय में पूरे देश में लगभग 200 ऐसे शहरों के विकास के लिए रोडमैप पर बजट का ध्यान जाना चाहिए। कुछ वर्ष पहले सरकार ने ऐसे दो दर्जन शहरों के लिए सोच दिखाई थी लेकिन वह जस का तस पड़ा है। शहरी मामलों के विशेषज्ञ हितेश वैद्य कहते हैं- क्रशहरों का विकास तभी संभव है जब उन्हें पूरी स्वायत्ता दी जाएगी। यानी उन पर ऊपर से कुछ थोपा न जाए बल्कि उनकी जरूरतें उनसे पूछी जाए और सहयोग दिया जाए।

लंबे अरसे बाद विदेशी जमीन पर भारतीय कंपनियों ने की तेल भंडार की खोज, क्या मिलेगा फायदा?

नई दिल्ली/ जीएनएस। वैश्विक अनिश्चितताओं ने ईरान, रूस, वेनेजुएला में भारतीय कंपनियों के तेल भंडारों के भविष्य पर कई तरह के सवाल पैदा कर दिए हैं लेकिन इसी बीच एक अच्छी खबर अबू धाबी से आई है। सरकारी क्षेत्र की तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने बताया है कि उनके संयुक्त उद्यम को को अबू धाबी के आनशोर ब्लाक-एक में दो कच्चे तेल भंडारों की खोज की है। ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इसे ऊर्जा स्वावलंबन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया है, जो भारत की बढ़ती ऊर्जा मांग को घरेलू और विदेशी स्त्रोतों से पूरा करने की रणनीति का हिस्सा है। यह खोज आइओसी व बीपीसीएल की इकाई ऊर्जा भारत प्राइवेट लिमिटेड (यूबीपीएल) ने की है। पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि यूबीपीएल ने पहली खोज 2024 की शुरुआत में (आयल फील्ड का नाम एक्सएन-76) में किया जिसमें असामान्य तेल संसाधनों की पुष्टि हुई है। दूसरी खोज हाल ही में इसी फील्ड में दूसरी जगह (हबशान जलाशय) से हुई है और यहां तेल होने की पूरी पुष्टि हो चुकी है। अब अगले चरण में इन खोजों का मूल्यांकन किया जाएगा और संभावित विकास की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा। यूबीपीएल ने यह ब्लाक मार्च 2019 में हासिल किया था। इस पर यूबीपीएल का पूरा अधिकार है यानी जो भी तेल निकलेगा वह पूरी तरह से भारत में इस्तेमाल होगा। इसमें कुल 16.6 करोड़ डॉलर का निवेश किया गया है। आईओसी के अनुसार, परिणामों से हम उत्साहित हैं और मूल्यांकन चरण में आर्थिक उत्पादन सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने 'मध्यप्रदेश रीजनल एआई इम्पैक्ट कॉन्फ्रेंस-2026' का किया शुभारंभ

जन-कल्याणकारी योजनाओं में एआई का प्रभावी उपयोग करेगा मध्यप्रदेश

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार एआई को नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी और कुशल शासन की आधारशिला के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। एआई आधारित प्रशासनिक व्यवस्था और प्रबंधन, तकनीक-प्रौद्योगिकी और अकादमिक क्षेत्र में एआई आधारित नवाचार विकसित भारतङ्घ 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में प्रभावी रूप से सहायक होंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी हर क्षेत्र में भारत को आगे बढ़ाने के लिए कार्य कर रहे हैं। मध्यप्रदेश में भगवान श्रीकृष्ण का अध्ययन केंद्र और शंकराचार्य जी की साधना का केंद्र भी है। राज्य सरकार मानवीय संवेदनाओं के साथ आगे बढ़ रही है। राज्य सरकार सभी विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए एआई का उपयोग कर रही है। एआई वर्तमान समय में शासन, उद्योग और समाज के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति है। हमारा राज्य जल्द ही एआई नीति भी लाएगा और एआई के लिए मिशन मोड पर व्यापक रूप से कार्य किया जाएगा। प्रदेश के माइनिंग और हेल्थ सेक्टर में एआई के उपयोग की बड़ी संभावनाएं हैं। मध्यप्रदेश अपार संभावनाओं वाला राज्य है, जिसमें आगे बढ़ने की पर्याप्त क्षमता है। विकसित भारत के लक्ष्य प्राप्ति में हमारी सरकार हर कदम पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन के अनुरूप कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को भोपाल के

ताज लेक फ्रंट में 'मध्यप्रदेश रीजनल एआई इम्पैक्ट कांफ्रेंस-2026' का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एआई लिटरेसी मिशन के तहत फ्यूचर स्किल्स फॉर एआई पावर्ड भारत के लिए कौशल रथ को झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश स्पेस टेक नीति-2026 लांच की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में विभिन्न समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन सिंहस्थ-2028 के संचालन के लिए आयोजित उज्जैन महाकुंभ हैकाथॉन और मध्यप्रदेश इनोटेक प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। अपर मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री संजय दुबे ने ÷एआई फॉर पीपल, प्लेनेट एंड प्रोग्रेस-मध्यप्रदेश रोडमैप टू इंपैक्ट÷ पर राज्य का प्रमुख एआई विजन प्रस्तुत किया। एआई को राष्ट्रीय आंदोलन बनाने के उद्देश्य से एआई लिटरेसी मिशन के अंतर्गत आरंभ युवा एआई फॉर ऑल पर लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। एम.पी. राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड के महाप्रबंधक श्री आशीष वशिष्ठ ने कॉन्फ्रेंस के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत एमपीएसईडीसी प्रदेश में एआई इंफ्रॉस्ट्रक्चर स्थापित करने के लिए नोडल एजेंसी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रीजनल एआई इंपैक्ट कॉन्फ्रेंस में प्रदेश की स्पेस टेक नीति लांच की। उन्होंने कहा कि नीति राज्य को भारत के उभरते अंतरिक्ष क्षेत्र में एक अग्रणी और भविष्य-उन्मुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगी। नीति के तहत स्पेस टेक स्टार्ट-अप्स, एमएसएमई और उद्योगों को वित्तीय, अवसंरचनात्मक और अनुसंधान सहयोग प्रदान कर कृषि, आपदा प्रबंधन, जल संसाधन एवं शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में अंतरिक्ष-आधारित अनुप्रयोगों को बढ़ावा दिया जाएगा। यह नीति निवेश, नवाचार और राष्ट्रीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र में मध्यप्रदेश की भूमिका को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

नवाचार और कौशल विकास के लिए हुए 7 एमओयू पर हस्ताक्षर- मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 6 समझौता ज्ञापन-यंगोवेटर (आंसर फाउंडेशन), सीईईडब्ल्यू (कॉउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर), गूगल, नैसकॉम, एआईएसईसीटी और भाषिणी के साथ किए गए। ये समझौते शैक्षणिक संस्थानों में नवाचार एवं रोबोटिक्स को बढ़ावा देने, जलवायु परिवर्तन व सतत विकास से जुड़े क्षेत्रों में एआई आधारित शोध एवं निर्णय सहयोग विकसित करने, शासकीय विभागों में एआई और क्लाउड तकनीक के उपयोग को प्रोत्साहित करने, राज्य में एआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना एवं कौशल विकास को गति देने, राष्ट्रीय एआई मिशन से जुड़कर कंप्यूटर एवं डेटा संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, ग्रामीण एवं वंचित क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता और एआई जागरूकता बढ़ाने और एआई आधारित शासन को सक्षम करने के उद्देश्य से किए गए हैं। इसके अलावा इंडिया एआई और तकनीकी शिक्षा,कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के मध्य एक समझौता ज्ञापन हुआ। उच्च गुणवत्ता वाली एआई शिक्षा तक पहुंच को व्यापक बनाने के लिए इंडिया एआई मिशन देश के टियर-2 एवं टियर-3 शहरों में 570 डेटा एवं एआई लैब्स की स्थापना कर रहा है। तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश में 30 डेटा एवं एआई लैब्स स्थापित की जाएंगी।

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा है कि एआई के उपयोग से प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी और निर्णय प्रक्रिया अधिक तेज, सटीक व नागरिक-केंद्रित होगी।

नोटा का विकल्प चुनने से... नागपुर में वोट डालने के बाद मोहन भागवत ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली/ जीएनएस। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने गुरुवार की सुबह नागपुर महानगरपालिका चुनाव में अपना मतदान किया। वे महाराष्ट्र के नागपुर शहर के महल इलाके में स्थित एक मतदान केंद्र पर सुबह लगभग 7:30 बजे पहुंचे और अपना वोट डाला।

मतदान के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में लोकतंत्र की अहमियत बताई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख ने साथ ही नोटा (उपरोक्त में से कोई नहीं) विकल्प पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि नोटा विकल्प चुनने से अप्रत्यक्ष रूप से एक अवांछित उम्मीदवार को बढ़ावा मिलता है।

मोहन भागवत ने नागपुर में डाला वोट -

भागवत ने मतदान के बाद कहा कि चुनाव लोकतंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा है और इसलिए मतदान करना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है।

जनहित को ध्यान में रखते हुए सभी लोग चुनाव के दौरान एक योग्य उम्मीदवार को ही वोट दें। इसलिए, आज मैंने सबसे पहला काम यह किया कि वोट डाला।

नोटा विकल्प पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि नोटा का मतलब है कि आप सभी को अस्वीकार करते हैं और ऐसा करके हम एक ऐसे व्यक्ति को बढ़ावा देते हैं जिसे कोई नहीं चाहता।

उन्होंने आगे कहा कि नोटा लोगों को अपनी असहमति व्यक्त करने का एक विकल्प देता है लेकिन किसी को भी वोट नहीं देने से बेहतर है कि किसी को वोट दिया जाए।

नोटा विकल्प पर बोले मोहन भागवत - आरएसएस के पूर्व सर कार्यवाह और केंद्रीय समिति के सदस्य भैयाजी जोशी भी शुरुआती मतदाताओं में शामिल थे। उन्होंने चुनाव में मतदान के महत्व पर जोर दिया।

भैयाजी जोशी ने कहा कि लोकतंत्र में सरकारें जनादेश से बनती हैं, जिसे अक्सर चुनाव के माध्यम से व्यक्त किया जाता है जहां नागरिक अपने प्रतिनिधियों के लिए मतदान करते हैं।

हम चाहते हैं कि लोकतंत्र में हर कोई अपने मताधिकार का इस्तेमाल करे। लोकतंत्र में सरकार जनादेश से बनती है और यह अपेक्षा की जाती है कि चुनी हुई सरकार जनता की अपेक्षाओं को पूरा करे।

बैग में छिपाकर रखा था बम....राजौरी में सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी, 3.5 किलो का IED किया डिफ्यूज

नई दिल्ली/ जीएनएस। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। यहां थाना मंजाकोट के काकोरा गांव में घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान SOG राजौरी को एक छिपा हुआ बैग मिला।

इस बैग में लगभग 3.50 किलोग्राम का एक IED था। हालांकि, बम डिस्पोजल स्क्वायड ने इसे सफलतापूर्वक डिफ्यूज कर दिया। इस घटना में किसी भी प्रकार के जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। सुरक्षा बलों की सतर्कता से एक बड़ा खतरा टल गया।

बता दें, राजौरी में सुरक्षाबलों ने पिछले महीने (19 दिसंबर 2025) को भी एक आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया था। इस दौरान सुरक्षा बलों ने चार हथगोले बरामद कर नष्ट किए थे।

पुस्तक मेले में AI का जादू... अपनी आवाज में सुनें पसंदीदा कहानियां, दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर में इतिहास और तकनीक का संगम

नई दिल्ली/ जीएनएस। वर्ल्ड बुक फेयर में AI का जादू भी देखने को मिल रहा है। यहां एक AI -पावर्ड ऑडियोबुक बूथ पाठकों को खुद कहानीकार बनने का रोमांचक मौका दे रहा है। ऑनलाइन बुकस्टोर बुकस्वैगन द्वारा लगाए गए इस खास बूथ पर, सभी उम्र के पाठक अपनी आवाज में कहानियां सुनने का रोमांच महसूस कर रहे हैं। इस पहल के तहत, पाठकों को सिर्फ़ 30 सेकंड का वॉइस सैंपल रिकॉर्ड करना है।

इसके बाद, वे बुकस्वैगन के प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध 100 से ज़्यादा किताबों में से कोई भी टाइटल चुन सकते हैं और फिर उस कहानी का ऑडियो वर्जन अपनी आवाज़ में सुन सकते हैं। मोबी डिक, किम, रामायण और भगवद गीता जैसी रचनाएं मेले में आने वाले लोगों को खास तौर पर आकर्षित कर रही हैं।

वर्ल्ड बुक फेयर के छठे दिन, राष्ट्रीय पठन संस्कृति के निर्माण से लेकर सैन्य बलिदानों को श्रद्धांजलि देने तक, इतिहास और राष्ट्रीय चेतना का एक सार्थक संगम देखने को मिला।

डांस प्रतियोगिता से बाहर हुई छात्रा पहुंची हाईकोर्ट, 32 सेकंड तक लाइट जाने का मामला

नई दिल्ली/ जीएनएस। केरल में एक डांस प्रतियोगिता से बाहर हुई छात्रा हाईकोर्ट में इंसाफ मांगने के लिए पहुंची। हाई कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए 16 वर्षीय छात्रा को प्रतियोगिता के अगले राउंड यानी राज्य स्तरीय कलोत्सव में भाग लेने की अनुमति दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक छात्रा की डांस परफॉर्मेंश के दौरान कार्यक्रम स्थल की लाइट चली गई थी, इसके बाद भी उसने डांस करना जारी रखा, लेकिन बाद में उसे पांचवा स्थान देकर प्रतियोगिता से बाहर कर दिया गया।

केरल हाई कोर्ट के जज जस्टिस बेच्चू कुरियन थॉमस ने छात्रा के पक्ष में फैसला सुनाते हुए शिक्षा विभाग के उप निदेशक के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें उन्होंने छात्रा को दूसरी बार प्रस्तुति देने के लिए कहा था। कोर्ट ने आदेश देते हुए कहा, ÷शिक्षा उपनिदेशक के आदेश को रद्द किया जाता है और याचिकाकर्ता को राज्य स्कूल कलोत्सव में कुचिपुड़ी जनरल श्रेणी में भाग लेने की अनुमति दी जाती है।

हमारी रगों में है लोकतांत्रिक भावना, राष्ट्रमंडल अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन में बोले PM मोदी

नई दिल्ली/ जीएनएस। संसदीय लोकतंत्र में अध्यक्ष की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अध्यक्षों की एक आम विशेषता उनका धैर्य है। वे शोर मचाने वाले और अति उत्साही सदस्यों को भी मुस्कुराते हुए संभाल लेते हैं।

राष्ट्रमंडल अध्यक्षों और पीठासीन अध्यक्षों के 28वें सम्मेलन में भारत की लोकतांत्रिक और संसदीय यात्रा पर प्रकाश डालने के साथ ही पीएम ने कहा कि देश की जनता ही हमारे लिए सर्वोपरि है। हमने उसकी आकांक्षाओं-सपनों को प्राथमिकता बनाया है। उसके रास्ते में कोई बाधा ना आए, इसके लिए प्रक्रिया से लेकर प्रौद्योगिकी तक हर चीज का लोकतंत्रीकरण किया है और ये लोकतांत्रिक भावना हमारी रगों में, मन में और हमारे संस्कार में है। तीन दिवसीय सम्मेलन के दूसरे दिन प्रधानमंत्री ने सबसे पहले उस संविधान सदन के महत्व पर विचार व्यक्त किए, जहां विश्व के विभिन्न हिस्सों से 42 राष्ट्रमंडल देशों और चार अर्ध-स्वायत्त संसदों के 61 अध्यक्ष और पीठासीन अधिकारी संसदीय परंपरा और कार्यप्रणाली पर चर्चा करने के लिए बैठे थे।

संविधान को लागू हुए हो गए 75 साल- उन्होंने कहा कि जिस स्थान पर आप सभी बैठे हैं, वो भारत की लोकतांत्रिक यात्रा का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। गुलामी के आखिरी वर्षों में जब भारत की आजादी तय हो चुकी थी, उस समय इसी सेंट्रल हाल में भारत के संविधान की रचना के लिए संविधान सभा की बैठकें हुई थीं।

भारत के संविधान को लागू हुए 75 वर्ष पूर्ण होने की जानकारी साझा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि जब भारत आजाद हुआ तो उस दौर में ये आशंका व्यक्त की गई थी कि इतनी विविधता में भारत में लोकतंत्र टिक नहीं पाएगा, लेकिन भारत ने इसी विविधता को लोकतंत्र की ताकत बना दिया। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में देश की प्रगति के संदर्भ व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र का अर्थ अंतिम छोर तक डिलीवरी है।

भारत के लोकतांत्रिक संस्कार के उदाहरण के दौरान पर कोरोना काल का प्रसंग सुनाया कि कुछ साल पहले पूरा विश्व कोरोना की आपदा से जूझ रहा था। भारत में भी संकट कम नहीं था, लेकिन उन चुनौतियों के बीच भी भारत ने 150 से ज्यादा देशों को दवाइयां और वैक्सीन पहुंचाई। लोगों का हित, लोगों की भलाई और उनका कल्याण हमारा संस्कार है।

ग्रोक से अब नहीं बन पाएंगी अश्लील तस्वीरें, एक्स ने उठाया ये सख्त कदम

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारत सरकार की कड़ी चेतावनी के बाद अरबपति एलन मस्क के इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स ने अपने एआइ चैटबाट ग्रोक को लोगों की अश्लील तस्वीरें बनाने से रोकने के लिए सख्त कदम उठाया है।

इसके लिए तकनीकी उपाय किए गए हैं, जिससे आपत्तिजनक कपड़ों में लोगों की तस्वीरें नहीं बन सकेंगी। यह कदम एआइ चैटबाट द्वारा बनाई गईं अश्लील डीपफेक तस्वीरों को लेकर भारी विरोध के बाद उठाया गया है।

एक्स ने अपने आधिकारिक सेफ्टी हैंडल पर बताया कि यह प्रतिबंध पेड सब्सक्राइबर्स समेत सभी यूजर्स पर लागू किया गया है। एक्स प्लेटफार्म पर ग्रोक अकाउंट के जरिये तस्वीर बनाने और उन्हें एडिट करने की सुविधा अब केवल पेड सब्सक्राइबर्स के लिए ही उपलब्ध होगी।

इसमें कहा गया है कि इससे सुरक्षा तंत्र और मजबूत होगा। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि जो लोग ग्रोक अकाउंट का दुरुपयोग करके कानून या प्लेटफार्म की नीतियों का उल्लंघन करने की कोशिश करते हैं, उनकी जवाबदेही तय हो सके।

चाइनीज मांझे के खिलाफ इंदौर पुलिस का सख्त अभियानः 16 प्रकरण दर्ज, 25 आरोपी पकड़े गए

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मानव जीवन और पशु-पक्षियों के लिए जानलेवा साबित हो रहे प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खिलाफ इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा प्रभावी और सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस ने न केवल चाइनीज मांझे की बिक्री करने वालों पर बल्कि इसका उपयोग कर पतंग उड़ाने वाले गैरजिम्मेदार लोगों के विरुद्ध भी वैधानिक कार्रवाई की है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशों के तहत शहर में चाइनीज मांझे के क्रय-विक्रय और उपयोग पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में नगरीय इंदौर के सभी थाना क्षेत्रों में कड़ी निगरानी और चेकिंग की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 14 जनवरी 2026 को विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए कुल 16 प्रकरण पंजीबद्ध किए गए, जिसमें 19 पतंग उड़ाने वालों सहित कुल 25 आरोपियों को पकड़कर प्रतिबंधित चाइनीज मांझा जब्त किया गया।

पुलिस के अनुसार थाना एमआईजी, परदेशीपुरा, एमजी रोड, तुकोगंज, बाणगंगा, जूनी इंदौर, भंवरकुआ, छत्रीपुरा, चंदन नगर और द्वारकापुरी सहित अन्य थाना क्षेत्रों में चेकिंग के दौरान आरोपी प्रतिबंधित चाइनीज मांझे से पतंग उड़ाते या इसे अपने कब्जे में रखते पाए गए। सभी आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223(ए), 125 तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 15 के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर सख्त वैधानिक कार्रवाई की गई है।

पुलिस द्वारा पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ के आधार पर चाइनीज मांझे की खरीद-फरोख्त के स्रोतों की भी जांच की जा रही है। साथ ही अवैध भंडारण करने वालों के गोदाम और दुकानों को सील करने की कार्रवाई भी की जा रही है। इंदौर पुलिस ने स्पष्ट किया है कि समाज के लिए खतरा बने ऐसे गैरजिम्मेदार तत्वों के विरुद्ध जिलाबदर जैसी कठोर कार्रवाई भी की जाएगी।

इंदौर पुलिस ने जनहित में नागरिकों से अपील की है कि वे खतरनाक चाइनीज मांझे का उपयोग न करें और केवल पारंपरिक सूती धागे से ही पतंगबाजी करें। पुलिस ने कहा है कि यदि किसी क्षेत्र में गुपचुप तरीके से प्रतिबंधित मांझा बेचा जा रहा हो, तो तुरंत स्थानीय पुलिस या क्राइम वॉच हेल्पलाइन नंबर 7049108283 पर सूचना दें। आपकी एक सूचना किसी की जान बचा सकती है।

शिक्षण- अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शिक्षण- अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए निरंतर प्रशिक्षण की आवश्यकता को देखते हुए "strengthening of staff competeny" विषय पर आज से 13 दिवसीय संकाय संवर्धन कार्यक्रम शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय किला भवन इंदौर में प्रारंभ हुआ। यह कार्यक्रम 27 जनवरी तक चलेगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संकाय सदस्यों के शैक्षणिक, तकनीकी, शोधात्मक एवं व्यक्तित्व विकास से जुड़े कौशलों को सशक्त बनाना है।

शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव ने बताया कि पहले दिन कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. दुर्गेश शांडिल्य ने दस दिवसीय इस FDP की रूपरेखा को बताया। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. मनीषा जोशी ने FDP के उद्देश्य और महत्व को बताया। इसके पश्चात महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. निशा जैन ने कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एमएसएमई (MSME) के सहायक निदेशक डॉ. निलेश त्रिवेदी का स्वागत किया। उक्त कार्यक्रम में प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी. पी. बैरागी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में मुख्य वक्ता डॉ. निलेश त्रिवेदी ने 'Intellectual property rights (IPR) and it's application in academic' विषय पर अपना व्याख्यान दिया । अपने व्याख्यान में उन्होंने वर्तमान ज्ञान-आधारित समाज में 'बौद्धिक संपदा अधिकार' के अर्थ एवं महत्व को बताते हुए उसके कानूनी अधिकार (कॉपीराइट, पेटेंट, ट्रेडमार्क, औद्योगिक अभिकल्प, भौगोलिक संकेत) के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कई उदाहरणों के माध्यम से स्व व्यवसाय के माध्यम से लाभ अर्जित करने की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार डॉ. निधि गुप्ता द्वारा किया गया। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी डॉ. नेहा गुप्ता द्वारा दी गई ।

इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने के बाद अस्पताल में भर्ती हुए मरीजों की बिगड़ रही हालत

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भागीरथपुरा में दूषित पानी के कारण उल्टी-दस्त की समस्या के अब तक 3500 से अधिक मरीज सामने आ चुके हैं। हालांकि अब नए मरीजों की संख्या में कमी आई है, लेकिन अस्पतालों में भर्ती मरीजों की हालत बिगड़ रही है। बांबे हास्पिटल और मेट्रो अस्पताल में गंभीर हालत में मरीज भर्ती हैं, लेकिन इनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं आ रहा है।

बुधवार को स्वास्थ्य विभाग द्वारा निजी मेडिकल कॉलेज के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न जांचें की गईं। वहीं भागीरथपुरा क्षेत्र में बुधवार को तीन नए मरीज मिले, जिनका प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार किया गया। दूषित पानी से पीड़ित मरीज अन्य अस्पतालों में भी हैं। बांबे अस्पताल में चार मरीज वेंटिलेटर पर हैं। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार अभी अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या 27 है। इंदौर जिले में संकल्प से समाधान अभियान का पहला चरण 15 फरवरी तक चलेगा। इसमें शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र लोगों को दिलाया जाएगा। वहीं जिले में स्वच्छ जल अभियान के तहत नगरीय निकायों और ग्रामीण क्षेत्रों में जल सुनवाई आयोजित कर आमजन की पेयजल समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाएगा। कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में भी जल सुनवाई आयोजित कर पेयजल समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। राज्य शासन के निर्देश पर इंदौर जिले में 'संकल्प से समाधान' अभियान की शुरुआत की गई है। यह अभियान चार चरणों में संचालित होगा और 31 मार्च तक चलेगा। कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आयोजित टीएल बैठक में विभिन्न विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में एमपीआईडीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिमांशु प्रजापति, अपर कलेक्टर विजय नवजीवन पंवार, निशा डामोर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य तिलहन मिशन का गठन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन (NMEO-OS) के अंतर्गत राज्य शासन द्वारा मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य तिलहन मिशन का गठन किया गया है। समिति में कृषि उत्पादन आयुक्त, सहकारिता, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण/ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, वित्त, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, कुलपति, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर/ राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर, आयुक्त/ संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, निदेशक भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर म.प्र, प्रभारी अधिकारी नाबार्ड, समन्वयक स्टेट लेवल बैंकर समिति, तिलहन क्षेत्र में कार्यरत एफपीओ/ को-ऑपरेटिक्स के दो प्रतिनिधि (प्रत्येक से एक) , बीज एवं खाद्य तेल उत्पादक उद्योग से संबंधित दो प्रतिनिधि(प्रत्येक से एक-एक) , भारत सरकार, कृषि मंत्रालय द्वारा नामित अधिकारी (संयुक्त सचिव स्तर) सदस्य होंगे। किसान कल्याण तथा कृषि विकास (राज्य मिशन संचालक NMEO-OS) को सदस्य-सचिव नामित किया गया हैं।

राज्य तिलहन मिशन की बैठक का आयोजन कृषि उत्पादन आयुक्त, म.प्र. शासन की अध्यक्षता में किया जा सकेगा। मिशन के दायित्व अंर्तगत मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए, मिशन में निहित समग्र नीति दिशा-निर्देशों के भीतर राज्य में मिशन कार्यान्वयन की समग्र निगरानी की जायेगी। राज्य को सौंपे गए क्षेत्र, उत्पादन, और उत्पादकता लक्ष्यों और इसकी निगरानी के आधार पर तिलहन की खेती और उत्पादन के लिए राज्य तिलहन कार्य योजना को अंतिम रूप देना , कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार को प्रस्तुत करने से पहले मिशन के लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप संभावित और वार्षिक राज्य कार्य-योजना को अंतिम रूप देना, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग को प्रस्तुत नियमित रिपोर्टों के साथ प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर नजर रखकर राज्य स्तर पर मिशन की प्रगति की निगरानी की जायेगी।

समिति द्वारा आवश्यक बुनियादी ढांचे (इंफास्ट्रक्चर) और कटाई के बाद प्रसंस्करण सुविधाओं आदि को विकसित करने के लिए राज्य स्तरीय वित्तीय संसाधन आवंटन की देखरेख करना, जिला मिशनों, मूल्य श्रृंखला भागीदारों और तकनीकी सहायता एजेंसियों के कामकाज और प्रगति की निगरानी करना और उनकी दक्षता बढ़ाने के लिए निर्देश जारी करना और एस.ओ.पी निर्धारित करना, प्रमुख मिशन के कार्यान्वयन को सुव्यवस्थित करने तथा इसे राज्य कृषि नीतियों और विकास योजनाओं के साथ जोडने के लिए संबंधित विभागों (कृषि, सिंचाई वित्त. ग्रामीण विकास आदि) के साथ समन्वय करके अन्य केन्द्रीय और राज्य योजनाओं के साथ अभिसरण सुनिश्चित करने के कार्य किए जाएंगे।

क्राइम ब्रांच इंदौर की बड़ी कार्रवाईः 513 ग्राम एमडी के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार, अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब एक करोड़

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर सख्त कार्रवाई के निर्देशों के तहत इंदौर क्राइम ब्रांच ने बड़ी सफलता हासिल की है। क्राइम ब्रांच टीम ने 513.48 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग एक करोड़ रुपये आंकी जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 15 जनवरी 2026 को क्राइम ब्रांच की टीम शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संदिग्धों की तलाश, पतारसी एवं मुखबिर सूचना संकलन कर रही थी। इसी दौरान सिद्धेश्वर जलधार नाथ महादेव मंदिर के पास एमआर-4 रोड इंदौर पर सड़क किनारे एक मोटरसाइकिल खड़ी दिखाई दी, जिस पर कुछ युवक बैठे हुए थे। पुलिस वाहन को देखते ही वे मोटरसाइकिल सहित मौके से भागने का प्रयास करने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर रोक लिया गया।

पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर आरोपियों ने अपने नाम निकल निदवानिया निवासी मंदसौर, मुकेश धनगर उर्फ बबलू निवासी मंदसौर तथा कमलेश गायरी निवासी राजस्थान बताए। विधिवत तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 513.48 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी, एक दोपहिया वाहन हीरो स्प्लेंडर तथा तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए। जब्त मशरूका की कुल कीमत लगभग एक करोड़ रुपये बताई जा रही है।

पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी निकल निदवानिया के विरुद्ध पूर्व में मंदसौर जिले में तीन अपराध पंजीबद्ध हैं। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने अवैध लाभ अर्जित करने की नीयत से सस्ते दामों में मादक पदार्थ खरीदकर इंदौर शहर में नशे के आदी लोगों को ऊंचे दामों पर बेचने की बात स्वीकार की है। आरोपी दिहाड़ी मजदूरी एवं रिपेयरिंग का कार्य करते हैं तथा उनकी शैक्षणिक योग्यता दसवीं-बारहवीं तक बताई गई है।

क्राइम ब्रांच इंदौर द्वारा आरोपियों के विरुद्ध थाना अपराध शाखा में अपराध क्रमांक 07/2026 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रकरण की विवेचना के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि अवैध नशे के नेटवर्क को जड़ से खत्म करने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

वीबी-जी राम जी योजना से ग्राम स्वराज के संकल्प को साकार कर रहे प्रधानमंत्री मोदीः कैलाश विजयवर्गीय

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन (वीबी-जी राम जी योजना) ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह योजना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के संकल्प को साकार करने की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का दूरदर्शी प्रयास है, जिससे ग्रामीण श्रमिकों को अधिक दिनों तक रोजगार की गारंटी मिलेगी और गांवों में समृद्धि आएगी।

भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में श्री विजयवर्गीय ने कहा कि मनरेगा में जहां 100 दिन के रोजगार की गारंटी थी, वहीं वीबी-जी राम जी योजना में इसे बढ़ाकर 125 दिन कर दिया गया है। इस नए कानून के तहत समयबद्ध कार्य, बेरोजगारी भत्ता, डिजिटल मस्टर रोल, जीपीएस और मोबाइल मॉनिटरिंग जैसी व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासनकाल में मनरेगा में पारदर्शिता का अभाव था, जबकि अब रियल टाइम डेटा अपलोड और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से फ्रॉड डिटेक्शन की व्यवस्था होगी, जिससे वास्तविक लाभार्थियों को ही काम मिलेगा।

श्री विजयवर्गीय ने बताया कि यह कानून चार प्राथमिकताओं पर केंद्रित है, जिसमें जल संबंधी कार्य, कोर ग्रामीण बुनियादी ढांचे का निर्माण, आजीविका संबंधी ढांचे का विकास और खराब मौसम के कारण काम में होने वाली कमी को कम करना शामिल है। जल सुरक्षा से खेती को बढ़ावा मिलेगा, बेहतर सड़क और कनेक्टिविटी से बाजार तक पहुंच सुधरेगी, भंडारण एवं आजीविका से जुड़ी परिसंपत्तियां ग्रामीण आय बढ़ाएंगी और जलवायु अनुकूल कार्य गांवों को आत्मनिर्भर बनाएंगे। उन्होंने बताया कि बुआई और कटाई के मौसम में 60 दिन कार्य बंद रखने का प्रावधान किया गया है, ताकि कृषि कार्यों के दौरान मजदूरों की कमी न हो। इसके साथ ही, नए कानून में साप्ताहिक भुगतान का भी प्रावधान है, जबकि मनरेगा में मजदूरी का भुगतान 15 दिन में किया जाता था।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि महात्मा गांधी का मानना था कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांव तभी आत्मनिर्भर बन सकते हैं, जब समाज के हर वर्ग का समग्र विकास हो। वीबी-जी राम जी योजना पूरी तरह इसी भावना के अनुरूप है और 2047 तक विकसित भारत के संकल्प में गांवों की भागीदारी सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि 2005 में जब मनरेगा शुरू हुई थी, तब ग्रामीण भारत की परिस्थितियां अलग थीं। आज कनेक्टिविटी बढ़ी है, आजीविका में विविधता आई है और ग्रामीण गरीबी 2011-12 के 25.7 प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 4.86 प्रतिशत रह गई है। ऐसे में ग्रामीण रोजगार योजना को समय की जरूरतों के अनुरूप पुनर्गठित करना आवश्यक था।

श्री विजयवर्गीय ने यह भी कहा कि मनरेगा पर सबसे अधिक खर्च मोदी सरकार ने किया है। अब तक मनरेगा पर कुल 11.74 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए हैं, जिसमें से 8.53 लाख करोड़ रुपये मोदी सरकार के कार्यकाल में व्यय किए गए। उन्होंने कांग्रेस पर योजनाओं के नामकरण को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने योजनाओं और संस्थानों के नाम एक ही परिवार के नाम पर रखे, जबकि मोदी सरकार में नाम नहीं बल्कि काम बोलता है। प्रधानमंत्री मोदी ने योजनाओं और संस्थानों को सेवा और कर्तव्य से जोड़ते हुए राजपथ को कर्तव्य पथ, रेस कोर्स रोड को लोक कल्याण मार्ग और प्रधानमंत्री कार्यालय को सेवा तीर्थ नाम दिया।

पत्रकार वार्ता में भाजपा नगर अध्यक्ष श्री सुमित मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता श्री आलोक दुबे, महामंत्री श्री सुधीर कोल्हे, श्री महेश कुकरेजा, श्री कैलाश पिपले, मीडिया प्रभारी श्री वरुण पाल, मीडिया सहप्रभारी श्री नितिन शर्मा एवं श्री रितेश शर्मा उपस्थित रहे।

आबकारी विभाग की कार्रवाई में 5 लाख 12 हजार 600 रुपये कीमत की अवैध मदिरा एवं वाहन जप्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार में अवैध मदिरा के परिवहन, भण्डारण एवं क्रय-विक्रय पर प्रभावी कार्रवाई निरन्तर जारी है। कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में वृत्त- काछी मोहल्ला के उप निरीक्षक श्री भगवानदास अहिरवार एवं आबकारी अमले द्वारा शहरी क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई।

उक्त कार्रवाई क्षेत्र में गश्त के दौरान शंका के आधार सफेद रंग चार पहिया वाहन (क्रमांक- MP09CF8801) को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान 18 बोतल ओल्ड मौन्क रम विदेशी मदिरा अवैध परिवहन की जा रही थी, जिसे जप्त की गई। वाहन चालक देवेन्द्र पिता ओमकार खण्डेलवाल निवासी 223 खातीवाला टैंक इंदौर को रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। जब्त मदिरा और वाहन की कुल बाजार मूल्य 5 लाख 12 हजार 600 रुपये कीमत है। आरोपी के विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1)क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्रवाई में आरक्षक सुश्री सीमा भूरिया, श्री योगेश कुमार मोहविया का सराहनीय योगदान रहा।

आईएएस परिविक्षाधीन अधिकारियों ने किया इंदौर विकास प्राधिकरण कार्यालय का दौरा, कार्यप्रणाली को जाना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय प्रशासनिक सेवा के परिविक्षाधीन अधिकारियों ने अपने इंदौर प्रवास के दौरान इंदौर विकास प्राधिकरण कार्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर अधिकारियों ने प्राधिकरण की कार्यप्रणाली, उद्देश्य तथा शहर के नियोजित विकास में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। दौरे के दौरान प्राधिकरण की नियोजन, भू-अर्जन, सम्पदा, तकनीकी, विधि, प्रशासन एवं कम्प्यूटर शाखाओं के शाखा प्रमुखों ने प्रेजेन्टेशन के माध्यम से अपने-अपने विभागों की कार्यप्रणाली और दायित्वों की जानकारी साझा की। अधिकारियों को नगर विकास योजनाओं, वर्तमान में संचालित एवं प्रस्तावित परियोजनाओं, पूर्ण किए गए विकास कार्यों तथा प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे अधोसंरचनात्मक विकास की प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। इस दौरान परिविक्षाधीन अधिकारियों ने विभिन्न विषयों पर प्रश्न कर प्राधिकरण की कार्यशैली को गहराई से समझा। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में संभागायुक्त एवं इंदौर विकास प्राधिकरण के सह-अध्यक्ष श्री सुदाम खाड़े तथा कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने भी अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने संभाग और जिले से संबंधित प्रशासनिक, विकासात्मक एवं आवश्यक जानकारियां साझा करते हुए अधिकारियों के प्रश्नों का समाधान किया। इस दौरे को प्रशासनिक प्रशिक्षण के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बताते हुए अधिकारियों ने इसे उपयोगी और ज्ञानवर्धक अनुभव बताया।

नवराष्ट्रवाद पर शोध मौखिकी में विकास तवर ने दी प्रभावी प्रस्तुति

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय छतरपुर के राजनीति विज्ञान अध्ययनशाला एवं शोध केंद्र में पीएच.डी. उपाधि हेतु आयोजित अंतिम शोध मौखिकी परीक्षा में शोधार्थी विकास तवर ने अपनी तार्किक, तथ्यपरक एवं प्रभावशाली प्रस्तुति से विद्वज्जनों को प्रभावित किया। कुलगुरु प्रो. राकेश कुशवाह की अध्यक्षता में आयोजित इस परीक्षा में शोधार्थी ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने शोध की विषय-वस्तु, संरचना, शोध-दृष्टि एवं निष्कर्षों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया।

विकास तवर ने दी राइज ऑफ न्यू नेशनलिज्म- इंडिया इमर्जिंग एस ए वर्ल्ड लीडर (नवराष्ट्रवाद का उदय- भारत का विश्व गुरु के रूप में उभरना) विषय पर अपना शोध कार्य शोध निर्देशिका डॉ. अर्चना शर्मा के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। अपने अध्ययन में उन्होंने यह प्रतिपादित किया कि नवराष्ट्रवाद केवल एक राजनीतिक अवधारणा नहीं, बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, आत्मनिर्भरता एवं वैश्विक नेतृत्व का समन्वित स्वरूप है। जो भारत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिला रहा है।

ओपन वायवा के दौरान बाह्य परीक्षक डॉ. स्वाति पाठक ने शोध प्रबंध पर गहन चर्चा करते हुए विश्लेषणात्मक प्रश्न किए। जिनका शोधार्थी ने संतुलित एवं तथ्यात्मक उत्तर दिया। डॉ. पाठक ने शोध को समसामयिक, प्रासंगिक एवं अकादमिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण बताते हुए उसकी प्रस्तुति शैली की प्रशंसा की।

कार्यक्रम के प्रारंभ में विभागाध्यक्ष डॉ. गीता दुबे ने स्वागत उद्बोधन देते हुए शोधार्थी के परिश्रमपूर्ण शोध कार्य की सराहना की। इस अवसर पर शोध एवं विकास निदेशक डॉ. बहादुर सिंह परमार, डॉ. रेखा शुक्ला, डॉ. कल्पना वैश्य, श्रीमती मधु पुरोहित सहित विभागीय प्राध्यापकगण, अतिथि विद्वान एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भूमानी अहिरवार द्वारा किया गया।

मौखिकी परीक्षा के सफल समापन पर उपस्थित विद्वज्जनों ने विकास तवर को उत्कृष्ट शोध एवं प्रभावी प्रस्तुति हेतु शुभकामनाएँ दीं। समापन अवसर पर शोधार्थी द्वारा बाह्य परीक्षक, शोध निर्देशिका एवं प्राध्यापकों का शाल, श्रीफल एवं पुष्पमालाओं से सम्मान किया गया।

संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित होने वाले शिविरों की सफलता कलेक्टर्स की निगरानी पर निर्भर - सम्भागायुक्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर सम्भागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने नागरिकों की समस्याओं के निवारण के लिए मप्र शासन द्वारा प्रारम्भ किये संकल्प से समाधान अभियान की आज समीक्षा करते हुए 8 जिलों के कलेक्टर्स को निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों में ऐसे वार्डों को शामिल कर क्लस्टर बनाये, जिससे ज्यादा से ज्यादा नागरिकों की समस्याओं का निराकरण कर सकें। यह अभियान अत्यंत आवश्यक है, इसलिए सभी कलेक्टर्स यह समझकर निगरानी करें कि इसकी सफलता पूरे प्रशासन की सफलता होगी। शिविरों में समस्याओं के निराकरण होने पर सीएम हेल्पलाइन सहित जनसुनवाई और अन्य समस्या निवारण प्लेटफार्म पर इसका असर होगा। इस अभियान की निगरानी का कार्य संभाग स्तरीय अधिकारियों द्वारा भी किया जाएगा। साथ ही क्लस्टर लेवल में शिविरों की निगरानी के कार्य के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी भी नियुक्त करें। ऐसी समस्याएं जो जिला स्तर पर निराकृत नहीं हो सकती, उसके लिए राज्य स्तर से आवश्यक सहयोग लिया जाएगा। सम्भागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि 108 सेवाओं में कई तरह की सेवाओं पर सीधा असर नागरिकों पर पड़ता है।

युवा प्रेस क्लब का मकर संक्राति उत्सव उत्साह और उमंग के साथ संपन्न

विधायक, थाना प्रभारी श्री राठौर और श्री मालवीय ने पत्रकारों के साथ लगाएं गिल्ली डंडे में बडे - बडे शॉट, पतंगबाजी भी हुई

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 14 जनवरी बुधवार को मकर सक्रांति के अवसर पर युवा प्रेस क्लब का मकर संक्राति उत्सव पूरे उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मंदसौर विधायक विपीन जैन, शहर कोतवाली थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र सिंह राठौर एवं वायडी नगर थाना प्रभारी शिवांशु मालवीय उपस्थित थे। इस अवसर पर मंदसौर के वरिष्ठ पत्रकारों की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम के प्रारंभ में दोनों थाना प्रभारी श्री राठौर एवं श्री मालवीय का स्वागत युवा प्रेस क्लब के अध्यक्ष चरण राजपाल, उपाध्यक्ष अशोक परमार, कोषाध्यक्ष ललित भाटी और सह- सचिव विजयेन्द्र फांफरिया ने किया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण अध्यक्ष चरण राजपाल ने दिया।

इस अवसर पर विधायक विपिन जैन ने कहा कि त्यौहार पर्व हमारी पहचान है और हमारी संस्कृति के परिचायक है इसलिए हमें सभी त्यौहारों को पूरे उत्साह के साथ मनाना चाहिए आज मंदसौर के सभी जागरूक पत्रकारों के साथ गिल्ली डंडे खेलकर बचपन की यादें ताजा हो गई। इस अवसर पर दोनो थाना प्रभारियों ने सभी पत्रकारों को मकर संक्राति पर्व की शुभकामनाएं दी बताया कि सभी त्यौहार हमें मिल जुलकर कानून व्यवस्था के साथ मनाना चाहिए।आप दोनों ने कहा कि हमें अपने परंपरागत पर्वो का ऐसे ही मानना चाहिए आज के मोबाईल युग में हम ये सब भुलते जा रहे है लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए पतंगबाजी, गिल्ली डंडे हमारे पारंपरिक खेल भी है और पर्व के तौर पर भी इनका महत्व है, इसलिए हमे हमारे तीज त्यौहारों को हर्षोल्लास के साथ मनाना चाहिए, युवा प्रेस क्लब के भी सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को बधाई जिन्होने इतना अच्छा आयोजन आयोजित किया।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी पत्रकारों ने मुख्य अतिथि विधायक विपिन जैन व थाना प्रभारी श्री राठौर एवं श्री मालवीय के साथ गिल्ली डंडे और पतंगबाजी का आनंद लिया सभी ने गिल्ली डंडे में बडे - बडे शॉट लगायें। कार्यक्रम में उपस्थित पत्रकारों ने डांस कर शुखनुमा माहौल में मकर संक्राति पर्व को मनाया। खेल के बाद सभी साथियों ने सहभोज का आनंद लिया जिसके बाद कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार महावीर प्रकाश अग्रवाल, घनश्याम बटवाल, जिला प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्षगण संजय पोरवाल, ब्रजेश जोशी, दशपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष नेमीचंद राठौड़, वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल वाहिद रईस, प्रकाश सिसौदिया, गायत्री प्रसाद शर्मा, मनीष पुरोहित, शाहिद चौधरी, राहुल सोनी, विकास तिवारी, संजय भाटी, उमेश नेक्स, लोकेश पालीवाल, अजय बड़ौलिया, भारतसिंह तोमर, सचिन जैन, प्रमोद जैन, सुरेश भावसार, किशोर ग्वाला, विपिन चौहान गोलू, जितेश जैन, प्रकाश शर्मा, बलवंत भट्ट, प्रदीप कारपेंटर, अभिषेक अरोरा, कमलेश गडिया, देवेन्द्र मोर्य, राजेश पाठक, पवन उपाध्याय, ओम कुमावत, संदीप कुमावत, पिंकू वाजपेयी, जितेन्द्र देवडा, प्रीत शर्मा, ललित शंकर धाकड़, दुर्गेश शर्मा, रूपेश सोलंकी, जगदीश वसुनिया, नरेन्द्र ब्रिजवानी, आशीष भारद्वाज, धर्मेन्द्र सिंह रानेरा, शुभम चौहान, पंकज मोदी, अरविन्द जोशी, दिग्विजय पंवार, मंगलेश सूर्यवंशी, राजपाल परिहार, विवेक शर्मा, विरेन्द्र सिंह राठौर, भागचंद असालिया आदि पत्रकार साथी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन अशोक परमार एवं राजेश पाठक ने किया अंत में आभार विजयेन्द्र फांफरिया ने माना।

बीमा पॉलिसी का किया वितरण- युवा प्रेस क्लब के कोषाध्यक्ष ललीत कुमार भाटी ने बताया कि युवा प्रेस क्लब के नये पदाधिकारियों ने पिछले वर्ष घोषणा की थी युवा प्रेस क्लब के सभी सदस्यों का दुर्घटना बीमा करवाया जायेगा। जिसकी पॉलिसी का वितरण भी इसी कार्यक्रम में किया गया। सभी सदस्यों का बीमा इफको टोकियो जनरल इन्शोरेन्स कम्पनी के शाखा प्रबंधक प्रद्युम्न शर्मा के द्वारा किया गया।

संजय भाटी मित्र मंडल ने किया सम्मान- इस अवसर पर युवा प्रेस क्लब की वर्तमान कार्यकारिणी को एक वर्ष पूर्ण होने पर संजय भाटी मित्र मंडल द्वारा अध्यक्ष चरण राजपाल, उपाध्यक्ष अशोक परमार, कोषाध्यक्ष ललित भाटी और सह- सचिव विजयेन्द्र फांफरिया का पुष्प मालाओं से जोरदार स्वागत कर सम्मान किया एवं आगामी वर्ष के लिए शुभकामनाएं दी।

17 जनवरी को द्वितीय हरि बोल प्रभात फेरी ग्राम झांतला में निकाली जाएगी

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री भेरुनाथ की नगरी ग्राम झांतला में लगातार दूसरी बार हरि बोल प्रभात फेरी निकाली जाएगी जिसको लेकर ग्रामवासियों में अपार उत्साह है। व प्रभात फेरी की तैयारियां जोरों शोरों पर चल रही हैं। प्रभात फेरी की शुरुआत पंचमुखी बालाजी नई आबादी से शुरू की जाएगी जो बस स्टैंड होती हुई मुरलीधर मंदिर चारभुजा मंदिर सुथार मोहल्ला, बालाजी मंदिर, भेरुनाथ मंदिर होती हुई निकलेगी। 17 जनवरी शनिवार को राजस्थान मध्य प्रदेश के 200 से अधिक गांव की भजन मंडलियों द्वारा ग्राम में हरि बोल प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा प्रभात फेरी के बाद 2-00 बजे बाद मुरलीधर सराय पटेल मोहल्ले में सभी लोगों का सामुहिक भोजन प्रसादी,आयोजित की जाएंगी प्रभात फेरी का जगह-जगह स्वल्पाहार व फूलों की बरसात से स्वागत किया जाएगा।

विराट हिन्दू सम्मेलन को लेकर चारभुजा नाथ को लगाया छप्पन भोग

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इन दिनों नगर सिंगोली पुरी तरह विराट हिन्दू सम्मेलन के रंग में रंगा हुआ है और इसी क्रम में आज दिनांक 15 जनवरी को विराट हिन्दू सम्मेलन को लेकर नगर के मध्य स्थित गूर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज के चारभुजा नाथ मंदिर पर छप्पन भोग लगाया गया। हिन्दू सम्मेलन की तैयारी में लगे पुरुष महिला युवा ओर युवतियों का जोश ओर उत्साह देखते बनता है। ज्ञात रहे नगर में विराट हिंदू सम्मेलन दिनांक 28 जनवरी को आयोजित हे उसकी तैयारी में पुरा नगर लगा हुआ हो ऐसा प्रतीत हो रहा है।पुरे नगर को दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है वही हर दिन कोई ना कोई बड़ा कार्यक्रम नगर में आयोजित हो रहे हैं। आज भी छप्पन भोग के साथ चारभुजा नाथ मंदिर से शौभायात्रा निकली जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः गूर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज मंदिर पर पहुंची जहां पर भगवान चारभुजा नाथ की महा आरती करते हुए भगवान को छप्पन भोग लगाया गया। शौभायात्रा में युवक युवतियां सहित महिलाएं भजनो की मधुर धुन पर पुरे रास्ते नाचते झुमते भगवान की भक्ति में लीन होकर चल रही थी। हिन्दू सम्मेलन को लेकर नगर का बच्चा बच्चा उत्साहित हैं।

एसबीआई द्वारा सीएसआर पहल के अंतर्गत विद्यालय को सेनेटरी पैड इंसीनेरेटर प्रदान किया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मकर संक्रांति के पावन अवसर पर भारतीय स्टेट बैंक, क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय (आरबीओ) मंदसौर द्वारा बैंक की सीएसआर पहल के अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बालागंज, मंदसौर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक दीपेंद्र रघुवंशी, मुख्य प्रबंधक श्री राजेश व्यास, मानव संसाधन प्रबंधक हिरेंद्र राणावत, विद्यालय के प्राचार्य सुदीप दास तथा प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी लोकेंद्र डाबी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस पहल के अंतर्गत बालिका विद्यार्थियों में मासिक धर्म स्वच्छता, स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं गरिमा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सेनेटरी पैड इंसीनेरेटर प्रदान किए गए। यह पहल सेनेटरी कचरे के सुरक्षित निपटान, स्वच्छता एवं स्वच्छता संबंधी जागरूकता पर बल देती है, जिससे विद्यालय परिसर में एक स्वस्थ एवं सुरक्षित वातावरण के निर्माण में योगदान मिलता है।

संकल्प से समाधान अभियान में घर-घर सर्वे में शेष शतप्रतिशत हितग्राहियों के प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा एवं जीवन सुरक्षा बीमा योजनाओं के फार्म भरवाए-श्री चंद्रा

जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की विशेष बैठक में कलेक्टर ने दिए निर्देश

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संकल्प से समाधान अभियान के तहत घर-घर सर्वे का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत शेष शतप्रतिशत हितग्राहियों के प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजना के फार्म भरवाकर संकलित करवाए और बैंकों को प्रस्तुत कर उनका बीमा करवाएं। कोई भी हितग्राही बीमा से वंचित ना रहे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने गुरूवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक में सभी बैंक शाखा प्रबंधकों और जिला पंचायत सीईओ, परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण नीमच को दिए। बैठक में सांसद प्रतिनिधि श्री पवन कुमार दुबे, नाबार्ड प्रतिनिधि श्री श्री योगेन्द्र सैनी, एलडीएम श्री शितांशु शेखर, पीओ डूडा श्री पराग जैन व जिला अधिकारी, बैंक शाखाओं के प्रबंधकगण उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने सभी शाखा प्रबंधकों को निर्देश दिए, कि वे अपने प्रत्येक बी.सी. के माध्यम से एक माह में 200-200 शेष हितग्राहियों के बीमा योजनाओं के फार्म भरवाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने बीमा योजनाओं के फार्म भरवाने में पंच, सरपंच एवं वार्ड प्रभारियों का सहयोग लेने की बात भी कही। बैठक में कलेक्टर ने सभी बैंक शाखाओं को एन.पी.एन.कम करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सभी बैठक शाखाओं में लंबित 3190 पीएम स्वनिधि योजना के प्रकरणों में इसी माह स्वीकृति जारी करने और हितग्राहियों को हितलाभ वितरण के निर्देश दिए। उन्होने इस योजना के पोर्टल संबंधी समस्याओं का बैंको से समन्वय कर समाधान करवाने के निर्देश भी एन.यू.एल.एम.के सीटी मेनेजर श्री प्रवीण आर्य को दिए है।

बैठक में संत रविदास स्वरोजगार योजना, डा.भीमराम अम्बेडकर स्वरोजगार योजना, भगवान बिरसामुण्डा स्वरोजगार योजना, टंट्या मामा स्वरोजगार योजना, मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना सहित अन्य सभी स्वरोजगार योजनाओं में शतप्रतिशत लक्ष्य के अनुरूप ऋण स्वीकृति व वितरण 31 जनवरी तक सुनिश्चित करवाने के निर्देश भी सभी जिला अधिकारियों और बैंक शाखाओं के प्रबंधकों को दिए हैं।

सैनिक दिवस तथा सेना दिवस का आयोजन किया गया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सैनिक कल्याण रतलाम द्वारा 14 एवं 15 जनवरी को सशस्त्र बल पूर्व सैनिक दिवस तथा सेना दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कर्नल हरमीत सिंह (से.नि.) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी लगभग 30 भूतपूर्व सैनिक, 10 भूतपूर्व सैनिकों के परिजन, कल्याण सयोजक हॉनरी कप्तान बंशी लाल कटारे, कार्यालय स्टाफ श्री बदिया देवल एवं श्री अशोक कुमार मरावी उपस्थित थे। अपने संबोधन में कर्नल हरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि राष्ट्र भूतपूर्व सैनिकों के प्रति सदैव ऋणी है, जिन्होने सेवा काल में निष्ठा, सम्पूर्ण त्याग के साथ देश की रक्षा तथा सेवा निवृत्ति के पश्चात भी समाज सेवा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में निरंतर योगदान दे रहे हैं। उन्होने कहा कि सैनिकों की सेवा केवल वर्दी तक सीमित नहीं रहती है, बल्कि यह जीवन पर्यन्त राष्ट्र एवं समाज के प्रति सर्म्पण का प्रतीक होती है।

जेंडर कैंपेन नई चेतना तहत तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रमों का आयोजन

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) भारत सरकार के निर्देशानुसार मकर संक्रांति के अवसर पर जिले में जेंडर कैंपेन नई चेतना 4.0 के अंतर्गत 13 से 15 जनवरी तक तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रमोंका आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किए जा रहे हैं। तीन दिवसीय इस विशेष अभियान कोहौसलों की उड़ाननाम दिया गया है, महिला सशक्तिकरण को ओर अधिक सुदृढ़ करने तथा स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक एवं स्वास्थ्य स्तर पर सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम के प्रथम दिवस जिले के सभी विकासखंडों में संचालित संकुल संगठनों की लखपति दीदियों का संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस अवसर पर आजीविका मिशन से जुड़ने के पश्चात अपने जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों को लखपति दीदियों ने गर्व एवं उत्साह के साथ साझा किया। साथ ही अधिक से अधिक दीदियों को लखपति बनाने हेतुलखपति शपथभी दिलाई गई। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी दीदियों के लिए विशेष पतंग महोत्सव एवं गुड़-तिल बैठक आयोजित की जाएंगी। जिससे सामाजिक सहभागिता एवं आपसी समन्वय को प्रोत्साहन मिलेगा।

तृतीय दिवस स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से महिलाओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श एवं जागरूकता संबंधी सेवाएँ प्रदान की जाएँगी। जिला परियोजना प्रबंधक, श्री शम्भु मईडा ने बताया, कि आगामी दो दिनों में पतंग उत्सव एवं स्वास्थ्य शिविरों में समूह से जुड़ी बड़ी संख्या में दीदियाँ सहभागिता करेंगी। कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतुश्री प्रकाश पालिया, सहायकजिला प्रबंधक, म.प्र.राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को जिला स्तर पर नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कार्यक्रमों के सफल आयोजन में सभी विकासखंड टीम तथा विभिन्न संकुल स्तरीय संगठनों की पदाधिकारी एवं दीदियों द्वारा सराहनीय सहयोग किया।

अनियमितता पाये जाने पर एक गोदाम को किया ब्लैक लिस्ट, एक वर्ष का किराया राजसात होगा

जबलपुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धान उपार्जन में अनियमितताओं को रोकने तथा दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देशानुसार जिला उपार्जन समिति ने गड़बड़ी पाये जाने पर एक गोदाम को एक वर्ष के लिये ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है तथा उसे मिलने वाली किराये की राशि को राजसात करने का निर्णय लिया है। इसके अलावा दो अन्य गोदामों को मिलने वाली राशि से एक रुपये प्रति क्विंटल की दर से कटौती करने का फैसला भी जिला उपार्जन समिति द्वारा लिया गया है। जिला आपूर्ति नियंत्रक प्रमोद कुमार मिश्र ने बताया कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार धान उपार्जन में अनियमितता की मिलने वाली शिकायतों की जाँच राजस्व, खाद्य, सहकारिता एवं कृषि विभाग के अधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा की जा रही है। संयुक्त जाँच दल की रिपोर्ट पर अभी तक कई समितियों के प्रभारियों एवं कम्प्यूटर ऑपरेटरों पर कार्रवाई की गई है। इसी सिलसिले में जिला उपार्जन समिति ने अनियमितता मिलने पर तीन गोदामों के विरुद्ध कारवाई की है। जिला आपूर्ति नियंत्रक के अनुसार मझौली तहसील में मुड़कुरु स्थित ओम साईं राम वेयर हाउस को उपार्जित धान का भंडारण बिना किसी पार्टीशन के वर्ष 2021-22 से रखे घुन लगे गेहूँ के साथ करने तथा अधिक मात्रा में धान की तौल करने की वजह से एक वर्ष के लिये ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है। इस गोदाम में इसकी अधिकतम क्षमता से कहीं अधिक धान का भंडारण भी पाया गया था। ओम साईं राम वेयर हाउस को एक वर्ष के लिये ब्लैक लिस्टेड करने के साथ ही इसे 2025-26 में मिलने वाली गोदाम किराये की राशि को भी राजसात करने का निर्णय जिला उपार्जन समिति ने लिया है। इसी प्रकार कुंडम तहसील के ग्राम टिकरिया स्थित वाधवा वेयर हाउस एवं पाटन तहसील में साईं एग्रो टेक वेयरहाउस को खरीदी परिसर के रूप में प्राप्त होने वाली राशि में से एक रुपये प्रति क्विंटल की कटौती करने का निर्णय जिला उपार्जन समिति ने लिया है।

श्री तीन छत्री बालाजी धाम में पूर्ण हुआ भव्य तुलसी-शालिग्राम का दिव्य विवाह

मंदसौर में गूंजी शहनाई - बर्डिया से आई भगवान शालिग्राम की बारात, भक्तों ने झूम कर मनाया विवाह महोत्सव

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के प्रतिष्ठित धार्मिक स्थल श्री तीन छत्री बालाजी धाम, केशव बस्ती प्रतापपुरा में पांच दिवसीय भव्य 'तुलसी-शालिग्राम विवाह महोत्सव' श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। यह मांगलिक आयोजन सरभंग ऋषि आश्रम (चित्रकूट धाम) के श्री श्री 1008 श्री महंत राम शिरोमणि दास जी महाराज एवं श्री तीन छत्री बालाजी धाम के महंत श्री श्री 108 महंत रामकिशोर दास जी महाराज के पावन सानिध्य में आयोजित किया गया।

विवाह की रस्में पूर्णतः वैदिक परंपराओं के अनुसार निभाई गईं। भगवान शालिग्राम की बारात ग्राम बर्डिया (जिला प्रतापगढ़) से महंत प्रयागदास जी महाराज के सानिध्य में प्रस्थान कर मंदसौर के पुराने बस स्टैंड स्थित अग्रवाल धर्मशाला पहुँची। इसके पश्चात् बड़े बालाजी मंदिर से महंत रामकिशोर दास जी महाराज के नेतृत्व में भव्य वरनिकासी (बारात) निकाली गई।

बारात में संत समाज और बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए। मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर बारात का भव्य स्वागत किया गया। अनिता दीदी के सानिध्य में माता-बहनों ने भजनों पर भावविभोर होकर नृत्य किया।

इस धार्मिक महोत्सव में राजनीति और समाज सेवा से जुड़े कई गणमान्य नागरिक सम्मिलित हुए, जिनमें मुख्य रूप से पं. दशरथभाई जी, पं. विष्णु शर्मा, सांसद सुधीर गुप्ता, विधायक विपिन जैन, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्षगण विनोद डगवार, अरविंद सारस्वत शहर ब्लाक अध्यक्ष इस्टा भाचावत ग्रामीण ब्लाक अध्यक्ष विकाश दशैरा मंजीत सिंह मनी सोमिल नाहटा व बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने सम्मिलित होकर बारात का स्वागत किया।

वरनिकासी के तीन छत्री बालाजी धाम पहुँचने पर भगवान ने तोरण मारने की रस्म अदा की। इसके बाद तिलक, चिढ़ी, मामेरा और सगाई की रस्में उत्साहपूर्वक संपन्न हुईं। डॉ कपिलेश जी दवे परिवार एवं समाजसेवी नागेश्वर सोनी द्वारा कन्यादान का पुण्य लाभ लिया गया। किन्नर गुरु अनिता दीदी, अंकित नंदकिशोर माहेश्वरी परिवार द्वारा मामेरा की रस्म पूर्ण की गई। भक्त जनों ने बढ़ चढ़ कर कन्या दान किया फ्रिज, टीवी, वाशींग मशीन, अलमारी, पलंग, सोफे, कुर्सियां व अन्य बहुत सामग्री कन्यादान मे दी गयी। अग्नि के फेरों के पश्चात् भगवान का विधि-विधान से विवाह संपन्न हुआ और अंत में विशाल महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों भक्तों ने प्रसादी ग्रहण की। महोत्सव को सफल बनाने में समस्त तीन छत्री बालाजी भक्त मंडल का सराहनीय योगदान रहा।

सीएम हेल्पलाईन से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करें

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजस्व विभाग से संबंधित सीएम हेल्पलाईन से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने जिले में पदस्थ सभी राजस्व अधिकारियों को दिये हैं। आज गुरूवार की शाम वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने राजस्व अधिकारियों को 50 दिनों से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों के निराकरण को प्राथमिकता देने की हिदायत दी है। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाईन से प्राप्त शिकायतों के निराकरण की अनुविभागवार एवं तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण गुणवत्तापूर्ण हो तथा आवेदकों की संतुष्टि से ही किया जाये। श्री सिंह ने अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को अपने स्तर पर सीएम हेल्पलाईन की शिकायतों के निराकरण की नियमित समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेंट नहीं रहनी चाहिए। कलेक्टर ने राजस्व वसूली की तहसीलवार समीक्षा करते हुए बड़े बकायदारों के विरूद्ध सख्ती बरतने के निर्देश राजस्व अधिकारियों को दिये। श्री सिंह ने धान उपार्जन के आखिरी दिनों में खरीदी केन्द्रों की निगरानी व्यवस्था को और मजबूत करने के निर्देश भी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को दिये, ताकि किसानों की आड़ में बिचौलिये और व्यापारी इस व्यवस्था का किसी भी प्रकार अनुचित लाभ नहीं उठा सकें। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों में अनियमित्ता की मिलने वाली शिकायतों पर भी त्वरित कार्यवाही करने तथा दोषियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने की हिदायत दी। कलेक्टर ने वीसी में 12 जनवरी से शुरू हुए संकल्प से समाधान अभियान की प्रगति की समीक्षा भी की। बताया गया कि जिले के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में चलाये जा रहे इस अभियान के तहत घर-घर संपर्क के दौरान लगभग एक हजार आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। वीसी के दौरान जिले में पदस्थ सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी कलेक्टर कार्यालय में मौजूद थे, वहीं तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार अपने-अपने क्षेत्र से वीसी से जुड़े थे।

अनिश्चितकालीन मंडी बंद का फैसला किसान और व्यापार दोनों के हित में नहीं : श्री सिसोदिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्व विधायक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ने कृषि उपज मंडी को अनिश्चितकाल के लिए बंद रखने के निर्णय पर कड़ा विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि संभाग की सबसे बड़ी और बेहतर व्यवस्था मानी जाने वाली कृषि उपज मंडी को बंद करना न तो किसानों के हित में है और न ही व्यापारियों के,

सिसोदिया ने कहा कि यदि विवाद व्यापारियों, हम्मालों और तुलावटियों के बीच है, तो उसका खामियाजा किसानों को क्यों भुगतना पड़े, किसान चार-चार दिन तक उपज लेकर लाइन में खड़े रहते हैं और इस समय उन्हें अगली फसल की तैयारी के लिए उपज बेचना अत्यंत आवश्यक है। शादी-ब्याह और लग्न का समय शुरू हो चुका है, अक्षय तृतीया जैसे पर्व भी आने वाले हैं, ऐसे में मंडी को अनिश्चितकाल के लिए बंद करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि मंदसौर का संपूर्ण व्यापार और व्यवसाय कृषि उपज मंडी में होने वाले क्रय-विक्रय पर निर्भर है, मंडी बंद रहने से न केवल मंडी व्यापार प्रभावित होगा, बल्कि पूरे शहर का व्यापार-व्यवसाय भी ठप पड़ सकता है।

पूर्व विधायक श्री सिसोदिया ने कहा कि ऐसा कोई विवाद नहीं होता, जिसका समाधान संवाद और समन्वय से न निकाला जा सके। एफआईआर भी दर्ज हो चुकी है, ऐसे में विवाद का निपटारा सामंजस्य से किया जाना चाहिए, किसानों का इस पूरे घटनाक्रम में कोई दोष नहीं है। सिसोदिया ने मंडी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि व्यापारी एक दिन मंडी बंद रखने का लिखित आवेदन देते हैं, तो मंडी सचिव द्वारा शाम होते-होते अनिश्चितकालीन बंद का निर्णय लेना उचित नहीं है, बंद समस्या का समाधान नहीं है, समाधान संवाद और निराकरण से निकलता है।

उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना काल जैसी कठिन परिस्थितियों में भी मंडी बंद नहीं रही और वैकल्पिक व्यवस्थाओं के साथ व्यापार संचालित हुआ,ऐसे में वर्तमान में कौन-सी आपदा आ गई कि मंडी को अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का निर्णय लेना पड़ा, उन्होंने कहा कि अधिकारियों को तत्काल संवाद और समन्वय स्थापित कर मंडी को प्रारंभ करना चाहिए ताकि किसानों को राहत मिले और व्यापार सुचारू हो सके।

सम्पादकीय

कुपोषित बचपन संकट के नए संदेश

बच्चे किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। इन्हीं नौनिहालों के कंधों पर आने वाले कल की जिम्मेदारी टिकी होती है। पर यदि देश का बचपन ही कुपोषण, बीमारी और कमजोरी से जूझ रहा हो, तो सशक्त राष्ट्र की कल्पना केवल नारा बनकर रह जाती है। आज भारत इसी गंभीर और चिंताजनक दौर से गुजर रहा है, जहाँ बाल कुपोषण एक विकराल राष्ट्रीय समस्या का रूप ले चुका है। यह केवल स्वास्थ्य का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, प्रशासनिक संवेदनशीलता और भविष्य की सुरक्षा का सवाल है।

सरकारी आंकड़े स्वयं इस भयावह स्थिति की गवाही देते हैं। देश के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लगभग 35 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार हैं, जिनमें से करीब 50 प्रतिशत बच्चे गंभीर रूप से कुपोषित हैं और लगातार बीमारियों से जूझ रहे हैं। यह आंकड़ा किसी एक राज्य या क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में फैली एक गहरी बीमारी की ओर इशारा करता है। महाराष्ट्र, बिहार, गुजरात और मध्यप्रदेश जैसे आर्थिक रूप से सक्षम और बड़े राज्यों में कुपोषित बच्चों की संख्या सबसे अधिक होना, व्यवस्था पर सीधा प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है।

विडंबना यह है कि एक ओर देश में हर साल बाल दिवस बड़े उत्सव और करोड़ों के खर्च के साथ मनाया जाता है, वहीं दूसरी ओर वही बच्चे कुपोषण और भूख से जूझ रहे हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय जैसे अलग मंत्रालय की मौजूदगी के बावजूद यदि बच्चों का पोषण सुनिश्चित नहीं हो पा रहा है, तो यह केवल संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि प्राथमिकताओं की विफलता है। मलेरिया, टीबी और अन्य बीमारियों पर अरबों रुपये खर्च किए जाते हैं, जो निस्संदेह आवश्यक है, परंतु यदि देश की «रीढ़ की हड्डी÷ माने जाने वाले बच्चे ही कमजोर रहेंगे, तो ये सारी योजनाएँ अधूरी साबित होंगी। कोरोना महामारी ने इस संकट को और गहरा कर दिया। लॉकडाउन, स्कूलों का बंद होना, आंगनबाड़ी सेवाओं में बाधा और गरीब परिवारों की आय में गिरावट–इन सबका सीधा असर बच्चों के पोषण पर पड़ा। परिणामस्वरूप आने वाले वर्षों में कुपोषण और उससे होने वाली बाल मृत्यु की आशंका और बढ़ गई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 18 लाख बच्चे अत्यधिक कुपोषित हैं और 16 लाख बच्चे अल्प कुपोषण की स्थिति में हैं। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं हैं, बल्कि हर आंकड़े के पीछे एक कमजोर शरीर, एक अधूरा बचपन और एक अनिश्चित भविष्य छिपा है।

वैश्विक स्तर पर स्थिति और भी शर्मनाक है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2021 के अनुसार भारत 116 देशों में 101वें स्थान पर पहुँच गया है। वर्ष 2020 में भारत 94वें स्थान पर था, यानी हर साल स्थिति और खराब होती जा रही है। यह स्थिति तब और पीड़ादायक हो जाती है जब भारत अपने पड़ोसी देशों–पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल और भूटान–से भी पीछे दिखाई देता है। यह साफ संकेत है कि कुपोषण से निपटने के प्रयास पर्याप्त और प्रभावी नहीं हैं।

राज्यों की स्थिति भी अलग-अलग होते हुए भी समान रूप से चिंताजनक है। पोषण ट्रैकर के अनुसार केवल महाराष्ट्र में ही 6 लाख कुपोषित बच्चे दर्ज किए गए हैं, जिनमें से बड़ी संख्या गंभीर कुपोषण से पीड़ित है। बिहार में 5 लाख, गुजरात में 3.30 लाख, उत्तर प्रदेश में 19 लाख, दिल्ली में 2 लाख, आंध्र प्रदेश में 2.70 लाख, कर्नाटक में 2.50 लाख, तमिलनाडु और असम में 1.80 लाख तथा तेलंगाना में 1.60 लाख बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। यह सूची बताती है कि समस्या न तो केवल पिछड़े राज्यों की है और न ही केवल ग्रामीण क्षेत्रों की–यह एक सर्वव्यापी राष्ट्रीय संकट है। कुपोषण का असर केवल वर्तमान तक सीमित नहीं रहता। कुपोषित बच्चे जब बड़े होते हैं, तो वे अनेक बीमारियों के साथ जीवन की शुरुआत करते हैं। देश के लगभग 34 प्रतिशत कुपोषित बच्चों का कद औसत से कम रह जाता है और 21 प्रतिशत बच्चों का वजन अत्यंत कम होता है। शारीरिक कमजोरी के साथ-साथ उनकी सीखने की क्षमता, कार्यक्षमता और आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है। ऐसे बच्चे आगे चलकर देश के लिए कितने सक्षम नागरिक बन पाएँगे–यह प्रश्न अत्यंत गंभीर है। इस संकट में पर्यावरण और बुनियादी सुविधाओं की भूमिका भी कम नहीं है। हाल ही में इंदौर में पानी के प्रदूषण से जुड़ी घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि स्वच्छ जल की कमी और प्रदूषित पानी बच्चों के स्वास्थ्य को किस तरह गहराई से प्रभावित करता है।

अपूर्णता के भाव की समाप्ति ही ईश्वर के सामीप्य की प्राप्ति है

ईश्वर प्रदत्त इस प्रकृति व मानव मात्र के जीवन को सुंदर बनाना ईश्वर का ही कार्य है, क्योंकि जिस चीज को ईश्वर ने ही निर्मित किया है उसमें बदलाव लाना हमारे हाथ में नहीं। फिर यह कैसे और क्यों कहा जाता है कि जीवन को सुंदर बनाना हमारे हाथ में है। यह तो पहले से ही सुंदर है क्योंकि ईश्वर अपनी हर रचना को जैसी जरुरत है वैसी ही सुंदरता से निर्मित करता है। बस हम मानव की दृष्टि उस सुंदरता को देख नहीं पा रही है क्योंकि हम ऊपरी सुंदरता देखते हैं आंखों से। आंतरिक सौंदर्य जो आत्मिक सौंदर्य है उसे देखने के लिए गहन ध्यान से आत्मा को जागृत करना होगा, तभी हम सृष्टि की कृतियों का आनंद ले सकते हैं।

हम सृष्टि के निर्माता को जिस भी नाम से पुकारें, भगवान कहें, अल्लाह कहें, गॉड कहें, प्रकृति कहें या अन्य किसी नाम से जाने, उसने सृष्टि को इसी तरह से बनाया है कि उसमें कोई भी कमी है ही नहीं। वह अपने आप में परिपूर्ण है। अपने आप में सुंदर है।

21 दिसम्बर 1986 के एक प्रवचन में श्री माताजी कहती हैं, परमात्मा ने इतनी सुन्दर सृष्टि की रचना किसलिए की है?, यह एक प्रश्न हजारों वर्षों से पूछा गया है। इसका कारण समझना अत्यंत सरल है। जिस सुन्दरता की रचना की जाती है, वह सुन्दरता स्वयं अपने आप को नहीं देख सकती। ठीक इसी तरह, परमात्मा, जो कि स्वयं सुंदरता का स्त्रोत हैं, वह परमात्मा अपनी स्वंय की सुंदरता को नहीं देख सकते, जैसे एक मोती अपनी सुंदरता देखने के लिए अपने अंदर प्रवेश नहीं कर सकता, जैसे आकाश अपनी स्वंय की सुंदरता को नहीं समझ सकता। सितारे अपनी सुंदरता को नहीं देख सकते। सूर्य अपनी चमक को नहीं निहार सकता। इसी तरह से, सर्वशक्तिमान परमात्मा भी अपने स्वंय के अस्तित्व को नहीं देख सकते। उस परमात्मा को एक दर्पण की जरूरत होती है। और यही कारण है कि उस परमात्मा ने इस सुन्दर सृजन की रचना अपने लिए एक दर्पण के रूप में की है। यानि जैसे हम स्वंय में सौंदर्य तलाशते हैं वैसे ही ईश्वर भी हममें स्वयं के सौंदर्य को तलाशते हैं।

इसीलिए हमारी सभी आवश्यकताओं को प्रकृति पूरा करती है। जितनी भी असंगति या बुराई हम देखते हैं या उत्पन्न होती रहती हैं, वे सभी हमारे ही द्वारा बनाई गई हैं । साथ ही, हमारा मस्तिष्क इस रूप में विकसित हो जाता है कि वह हमेशा भविष्य को देखता है। हमारे मस्तिष्क के हमेशा ही भविष्य में ही दौड़ते रहने के कारण हमारे अंतर को हमेशा एक अपूर्णता की भावना घेरे रहती है।

आधुनिक जीवन के तरीकों ने, भौतिकवादिता ने मनुष्यता पर बहुत नकारात्मक प्रभाव डाले हैं, अपूर्णता के एहसास ने इस भावना को और गहरा कर दिया है। साथ ही, यह गलत विश्वास भी दिलाया है कि इस अपूर्णता को पूर्ण करने के लिए आपको अधिक धन कमाना होगा, अधिक भौतिक वस्तुओं का अर्जन करना होगा।

यदि आप जीवन की सुंदरता को देखना चाहते हैं तो, थोड़े दिनों के लिए, केवल कुछ सप्ताह के लिए एक प्रयोग करके देख सकते हैं। अपने मन पर, अपने विचारों पर नजर रखने की कला, और जब भी मन भविष्य की ओर भागे तो उसे रोकने की कला सीखते हैं। एक ऐसी विधि जब हम स्वयं से कहने लगेंगे कि मैं पूर्ण हूं, मेरे जीवन में कोई भी कमी नहीं है, मैं खुश हूं, मुझे और किसी भी भौतिक वस्तु की तलाश नहीं है। कोई ऐसी वस्तु नहीं है जो मुझे पूर्ण कर सकती है, क्योंकि मैं स्वयं ही पूर्ण हूँ।

शब्द, संवेदना और संस्कृति का संगमः दिल्ली पुस्तक मेला-2026

स्वामी विवेकानंद जी ने यह बात कही है कि-पुस्तकें वह दीपक हैं जो अज्ञान के अंधकार को दूर करती हैं।वास्तव में सच तो यह है कि पुस्तकें मनुष्य की सबसे सच्ची मित्र होती हैं, जो बिना कुछ कहे हमें जीवन का सही मार्ग दिखाती हैं। अच्छी किताबें ज्ञान का भंडार होती हैं और अज्ञान के अंधकार को दूर कर सोचने-समझने की शक्ति विकसित करती हैं। वे अनुभवों, विचारों और संस्कारों से हमें समृद्ध बनाती हैं तथा जीवन भर हमारा साथ निभाती हैं। सच ही कहा गया है कि पढ़ने की आदत मनुष्य के व्यक्तित्व को निखारती है और उसे बेहतर इंसान बनाती है। वहीं पर पुस्तक मेला ज्ञान, विचारों और संस्कृति के आदान-प्रदान का जीवंत मंच होता है, जहां पाठकों को नई-पुरानी पुस्तकों, लेखकों और प्रकाशकों से सीधे जुड़ने का अवसर मिलता है।

यह पठन-पाठन की रुचि को बढ़ावा देकर समाज में बौद्धिक चेतना को मजबूत करता है। साथ ही, पुस्तक मेला साहित्य, शिक्षा और रचनात्मकता को जन-जन तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाता है। इस क्रम में,हाल ही में नई दिल्ली के भारत मंडपम (प्रगति मैदान) में आयोजित दिल्ली विश्व पुस्तक मेला- 2026 (53वां संस्करण) दुनिया के सबसे बड़े पुस्तक मेलों में से एक है। यह भव्य आयोजन 10 जनवरी 2026 से 18 जनवरी 2026 तक, कुल 9 दिनों के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस विशाल साहित्यिक उत्सव का आयोजन भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट (एनबीटी) द्वारा भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के सहयोग से किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि न्यू दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर का 53वां संस्करण भी शिक्षा मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय पुस्तक ट्रस्ट की ओर से ही आयोजित किया गया है।

पाठकों को बताना चाहूंगा कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने 10 जनवरी 2026 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में न्यू दिल्ली वर्ल्ड बुक फेयर 2026 का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन अवसर पर उन्होंने पुस्तक 'द सागा ऑफ कुडोपाली-‍ 1857 की अनकही कहानी' का विमोचन किया, जिसे हिंदी सहित कई भारतीय भाषाओं और स्पेनिश भाषा में प्रकाशित किया गया है। यह पुस्तक ओडिशा के संबलपुर क्षेत्र में वीर सुरेंद्र साई के नेतृत्व में हुए ऐतिहासिक विद्रोह और शहीदों के बलिदान को सम्मानित करती है। इस वर्ष का पुस्तक मेला कई मायनों में विशेष है, क्योंकि पहली बार प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है। मेले में 30 से अधिक देशों के 1000 से ज्यादा प्रकाशक और लगभग 3000 स्टॉल शामिल हैं, जहाँ हिंदी, अंग्रेज़ी सहित अन्य भारतीय और विदेशी भाषाओं की पुस्तकों का विशाल संग्रह उपलब्ध है। इस बार मेले की मुख्य थीम -'भारतीय सैन्य इतिहास- वीरता और बुद्धिमत्ता श्च75' (इंडियन मिलिट्री हिस्ट्रीन्वेलोर एंड विज्डम) रखी गई है, जिसके अंतर्गत भारतीय सशस्त्र बलों के शौर्य, इतिहास और योगदान को साहित्य और प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।

थीम मंडप लगभग 1000 वर्ग मीटर में फैला एक अत्याधुनिक इमर्सिव (त्रि-आयामी) अनुभव प्रदान करता है, जहाँ भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के 75 वर्षों के गौरवशाली इतिहास को जीवंत रूप में दर्शाया गया है। यहाँ अर्जुन टैंक, आईएनएस विक्रांत और एलसीए तेजस के आदमकद मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं, जो मेले के प्रमुख आकर्षण हैं। साथ ही, देश के 21 परमवीर चक्र विजेताओं को विशेष श्रद्धांजलि भी दी गई है।इस पुस्तक मेले में 600 से अधिक साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम, लेखक संवाद, कवि सम्मेलन तथा बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं, जिससे यह मेला लेखकों, प्रकाशकों और पाठकों के लिए एक भव्य साहित्यिक उत्सव बन गया है। आज के डिजिटल, सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में जब पुस्तकों के प्रति रुचि कम होती जा रही है, ऐसे समय में यह मेला विशेष रूप से युवाओं (जेन-जेड) और बच्चों में पठन संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।मेले में कला और संस्कृति, इतिहास, सिनेमा, व्यक्तित्व और जीवनियाँ, भूमि और लोग, गांधीवादी साहित्य तथा बाल साहित्य जैसे विविध विषयों पर पुस्तकें उपलब्ध हैं।

प्रीमियम पुस्तकों की श्रेणी में 'राष्ट्रपति भवन श्रृंखला', राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के चयनित भाषण, महात्मा गांधी की रचनाएँ तथा पंडित मदन मोहन मालवीय की रचनाएँ विशेष रूप से शामिल हैं। पुस्तकों के समृद्ध संग्रह के साथ-साथ सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय का प्रकाशन विभाग भी मेले में अपनी प्रसिद्ध पत्रिकाएँ योजना, कुरुक्षेत्र, आजकल और बाल भारती प्रदर्शित कर रहा है। इसके अतिरिक्त, आगंतुक यहाँ से रोजगार समाचार की वार्षिक सदस्यता भी खरीद सकते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला एक अत्यंत लोकप्रिय और प्रतिष्ठित आयोजन है, जिसमें देश-विदेश के नामचीन प्रकाशक भाग लेते हैं। यहाँ पुस्तक विमोचन, लेखक से मिलने के कार्यक्रम, युवाओं और बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाती हैं, जिनका आगंतुक भरपूर आनंद लेते हैं।

कालजयी कृतियों से लेकर समकालीन लेखन, बाल साहित्य, अनुवाद और विचारोत्तेजक चर्चाओं तक, यह मेला प्रकाशकों, लेखकों और पाठकों को एक जीवंत मंच पर एकत्र करता है।वास्तव में, पुस्तकें ज्ञान की वाहक होती हैं, जो पीढ़ियों को जोड़ती हैं, सभ्यताओं की स्मृतियों को संजोती हैं और समाज को दिशा देती हैं। इसी कारण किसी भी पुस्तक मेले का सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व अत्यंत व्यापक होता है। पिछले कई वर्षों से दिल्ली में आयोजित यह पुस्तक मेला विश्वभर के प्रकाशकों के लिए एक प्रतिष्ठित और विश्वसनीय मंच बन चुका है। जानकारी के अनुसार, इस बार मेले में करीब 20 लाख से अधिक पाठकों के आने की उम्मीद है।इस मेले का प्रमुख उद्देश्य ज्ञान का लोकतंत्रीकरण करना है, ताकि निःशुल्क प्रवेश के माध्यम से आर्थिक स्थिति किसी के पठन और शिक्षा के मार्ग में बाधा न बने। साथ ही, डिजिटल और पारंपरिक पठन के संगम को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय ई-पुस्तकालय के माध्यम से डिजिटल रीडिंग को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मेले में लगाए गए डिजिटल कियोस्क से पाठक 6000 से अधिक निःशुल्क ई-बुक्स क्यूआर कोड स्कैन कर सीधे अपने मोबाइल फोन में डाउनलोड कर सकते हैं।इस वर्ष कतर को 'अतिथि देश' (गेस्ट आफ आनर) बनाया गया है, जिसका पवेलियन कतर की पारंपरिक वास्तुकला पर आधारित है, जबकि स्पेन को 'फोकस कंट्री' के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जहाँ स्पेनिश साहित्य और नवाचार पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके अलावा, 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष और सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेष प्रदर्शनियाँ भी लगाई गई हैं। वहीं पीएम-युवा 3.0 योजना के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं के युवा लेखकों को मेंटरशिप और अपनी पुस्तकों के प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है। अंत में यही कहूंगा कि दिल्ली पुस्तक मेला 2026 साहित्य, संस्कृति और पठन-परंपरा के क्षेत्र में एक सफल, प्रेरक और ऐतिहासिक आयोजन के रूप में उभरा है। भारत मंडपम में आयोजित किए जा रहे इस पुस्तक मेले में देश-विदेश के प्रकाशकों, लेखकों और पाठकों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिल रही है। निःशुल्क प्रवेश की व्यवस्था ने सभी वर्गों के लोगों को पुस्तकों से जोड़ने का अवसर दिया है, जिससे पाठक संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर, दिल्ली पुस्तक मेला 2026 न केवल पुस्तक उद्योग को नई ऊर्जा प्रदान कर रहा है, बल्कि समाज और युवाओं में पठन संस्कृति को सशक्त बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

-सुनील कुमार महला

कंपनियों के पास पैसा भरपूर, फिर भी निवेश सुस्त

भारत की गैर सूचीबद्ध कंपनियां वित्तीय रूप से दशकों की सबसे मजबूत वित्तीय स्थिति में हैं। इतनी मजबूत वे पहले कभी नहीं रही हैं। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) के आंकड़ों का विश्लेषण बताता है कि उन पर ऋष्टा का भार 35 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर है, साथ ही उनका ब्याज कवरेज अनुपात ऊंचा है और मुनाफा भी बेहतर है। ये कंपनियां, उत्पादन, रोजगार और निजी निवेश का बड़ा हिस्सा हैं और इनमें कई बड़ी और संपन्न इकाइयां शामिल हैं। जैसे परिवार-स्वामित्व वाले औद्योगिक समूह, अधोसंरचना कंपनियां और वैश्विक बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारतीय शाखाएं।

कई कंपनियों की बैलेंस शीट काफी मजबूत है। वे वर्तमान से कहीं अधिक उधार ले सकती हैं और निवेश कर सकती हैं। फिर भी, ये कंपनियां अक्सर क्षमता विस्तार के लिए नहीं बल्कि पुराना कर्ज चुकाने के लिए उधार ले रही हैं। यदि मजबूत मुनाफे, कम ऋष्टा बोझ और आसान ऋष्टा उपलब्धता वाली कंपनियां भी जोखिम लेने को तैयार नहीं हैं, तो समस्या स्पष्ट रूप से वित्त से परे कहीं और है।

इक्रा द्वारा पिछले वर्ष जारी किए गए विश्लेषण, जिसमें 8,000 गैर-सूचीबद्ध कंपनियों और 4,500 सूचीबद्ध कंपनियों को शामिल किया गया था, से पता चलता है कि कुल निजी पूंजीगत व्यय में मंदी के लिए मुख्य रूप से गैर-सूचीबद्ध कंपनियां जिम्मेदार हैं। हालांकि यह सतर्कता केवल गैर-सूचीबद्ध कंपनियों तक सीमित नहीं है। देश के कारोबारी जगत में मुनाफा मजबूत है लेकिन निवेश की चाह कमजोर है। गैर-वित्तीय कंपनियां अपनी कुल परिसंपत्तियों का लगभग 11 प्रतिशत नकदी के रूप में रखे हुए हैं।

वे मूल व्यावसायिक गतिविधियों के बजाय निष्क्रिय स्त्रोतों से अधिक कमाई कर रही हैं। पूंजीगत लाभ और अन्य गैर-परिचालन आय सहित निष्क्रिय आय का हिस्सा पिछले दशक में लगभग दोगुना हो गया है। बड़ी गैर-वित्तीय कंपनियों में, संयंत्र, मशीनरी और निर्माणाधीन परियोजनाओं जैसी भौतिक परिसंपत्तियों का हिस्सा लगातार घटा है, जबकि वित्तीय परिसंपत्ति लगातार बढ़ी हैं। दूसरे शब्दों में, मुनाफे वाली कंपनियां अपने अधिशेष को कारखानों, अधोसंरचना या नई क्षमता में लगाने के बजाय वित्तीय बाजारों में रखना पसंद कर रही हैं।

यह व्यवहार भारत की अतीत की निवेश मंदी से बिल्कुल अलग है। वर्ष 2010 के दशक में वृद्धि को दोहरी बैलेंस शीट की समस्या ने रोके रखा था। यानी अत्यधिक ऋष्टाग्रस्त कंपनियां और दबावग्रस्त बैंक। आज कॉर्पोरेट बैलेंस शीट साफ है, बैंक अच्छी तरह पूंजीकृत हैं, फंसा हुआ कर्ज और फंसी परिसंपत्तियां कम हैं और ऋष्टा आसानी से उपलब्ध है। फिर भी निजी निवेश डांवाडोल नजर आ रहा है। इसके कई कारण हैं- मांग असमान बनी हुई है।

-धनंजय राजौरा

ईरान की उथल-पुथल एवं अमेरिका से टकराव गंभीर चुनौती

ईरान में बार-बार उभरती उथल-पुथल केवल किसी एक घटना, किसी एक फैसले या किसी एक पीढ़ी का आक्रोश नहीं है, बल्कि यह उस ऐतिहासिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक संरचना की परिणति है, जिसने 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद से इस देश को आकार दिया है। आज जब सड़कों पर विरोध के दृश्य, सोशल मीडिया पर आक्रोश और पश्चिमी विश्लेषकों की ओर से सत्ता परिवर्तन की अटकलें तेज हैं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि ईरान का संकट साधारण आंतरिक असंतोष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति-संतुलन से गहराई से जुड़ा हुआ प्रश्न है। ईरान की आंतरिक उथल-पुथल एवं अस्थिरता के साथ-साथ उसका अमेरिका के साथ टकराव युद्ध की स्थितियों एवं वैश्विक असंतुलन का बड़ा कारण बन रहा है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल द्विपक्षीय तनाव नहीं है, बल्कि इसके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया पर पड़ सकते हैं। इस संघर्ष से पश्चिम एशिया में युद्ध का खतरा बढ़ता है, जिसका सीधा असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और तेल की कीमतों पर पड़ सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह की अस्थिरता अंतरराष्ट्रीय व्यापार की धमनियों को बाधित कर सकती है, जिससे महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बढ़ेगा। इसके साथ ही यह टकराव क्षेत्रीय देशों को प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध में खींच सकता है, जिससे शरणार्थी संकट, आतंकवाद और साम्प्रदायिक तनाव गहराने की आशंका है। महाशक्तियों के परस्पर टकराव की स्थिति में विश्व राजनीति और अधिक ध्रूवीकृत होगी, अंतरराष्ट्रीय सहयोग कमजोर पड़ेगा और शांति की जगह अविश्वास व सैन्य प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनेगा, जिसका खामियाजा अंततः पूरी मानवता को भुगतना पड़ सकता है।

1979 की इस्लामिक क्रांति ने ईरान में केवल शाह मोहम्मद रज़ा पहलवी को सत्ता से हटाकर एक नई सरकार स्थापित नहीं की थी, बल्कि एक ऐसी वैचारिक-राजनीतिक संरचना रची थी, जिसमें धर्म, राजनीति और सुरक्षा-तंत्र एक-दूसरे में घुलमिल गए। 'विलायत-ए-फकीह' की अवधारणा के तहत सर्वोच्च धार्मिक नेतृत्व को अंतिम राजनीतिक अधिकार सौंपा गया। इसी व्यवस्था के संरक्षण और विस्तार के लिए इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर यानी आईआरजीसी को खड़ा किया गया, जो समय के साथ केवल सैन्य शक्ति नहीं, बल्कि आर्थिक, राजनीतिक और वैचारिक ताकत का भी केंद्र बन गया। यही कारण है कि ईरान की व्यवस्था को केवल सरकार या शासन कहकर नहीं समझा जा सकता; यह एक संपूर्ण तंत्र है, जिसे हटाने के लिए केवल विरोध-प्रदर्शन पर्याप्त नहीं होते।

ईरान ने पिछले चार दशकों में कई बड़े जनांदोलन देखे हैं। 2009 का ग्रीन मूवमेंट, 2017-18 की आर्थिक असंतोष की लहर, 2019 में ईंधन मूल्य वृद्धि के खिलाफ उग्र प्रदर्शन और 2022 में सामाजिक स्वतंत्रताओं को लेकर उठी आवाजेंकृहर बार यह माना गया कि शायद अब व्यवस्था डगमगाएगी। लेकिन हर बार वही सत्ता, वही ढांचा और वही शक्ति-संतुलन कायम रहा। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि ईरान में सुरक्षा-तंत्र राज्य से अलग नहीं, बल्कि राज्य का ही विस्तार है। अरब स्प्रिंग के दौरान मिस्र या तुर्किए में सेनाओं ने अंततः राष्ट्र-राज्य को बचाने का रास्ता चुना, लेकिन ईरान में आईआरजीसी खुद को क्रांति और इस्लामिक रिपब्लिक का संरक्षक मानती है, न कि केवल सीमाओं की रक्षा करने वाली संस्था। फिर भी यह कहना गलत होगा कि ईरान की व्यवस्था पर कोई दबाव नहीं है। वास्तव में, आज का दबाव पहले से कहीं अधिक जटिल और गहरा है। इसका सबसे बड़ा कारण है पीढ़ीगत बदलाव। ईरान की आबादी का बड़ा हिस्सा युवा है, जिसने 1979 की क्रांति न देखी है और न ही उससे भावनात्मक रूप से जुड़ा है। उनके लिए क्रांति कोई जीवित स्मृति नहीं, बल्कि इतिहास की किताबों का अध्याय है। उनकी आकांक्षाएं इंटरनेट, वैश्विक संस्कृति, शिक्षा, रोजगार और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं से प्रेरित हैं। जब ये आकांक्षाएं एक सख्त सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था से टकराती हैं, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है।

इस असंतोष को और तीखा बनाया है दशकों से चले आ रहे अमेरिकी और पश्चिमी प्रतिबंधों ने। इन प्रतिबंधों ने ईरान की अर्थव्यवस्था को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। तेल निर्यात सीमित हुआ, विदेशी निवेश रुका, मुद्रा कमजोर पड़ी और महंगाई ने आम नागरिक की कमर तोड़ दी। विकास और आधुनिकीकरण की गति धीमी पड़ी, जिससे खासकर शहरी मध्यम वर्ग और युवा वर्ग में भविष्य को लेकर निराशा बढ़ी। आज ईरान के कई नागरिक यह सवाल पूछ रहे हैं कि क्या अमेरिका और इजराइल के साथ अंतहीन दुश्मनी का बोझ उन्हीं के कंधों पर डाला जाना जरूरी है। धीरे-धीरे यह वैचारिक टकराव राष्ट्रवादी गौरव से अधिक सामाजिक बोझ के रूप में देखा जाने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव इस पूरे परिदृश्य को और खतरनाक बना देता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त टैरिफ लगाने के आदेश और सैन्य हस्तक्षेप के संकेतों ने पश्चिम एशिया को एक बार फिर युद्ध के मुहाने पर ला खड़ा किया है। ईरान आज 1979 के बाद से शायद सबसे गंभीर बाहरी दबाव का सामना कर रहा है। यह टकराव केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा भू-राजनीतिक खेल बन चुका है, जिसमें महाशक्तियां अपने-अपने हित साधना चाहती हैं।

अकसर यह धारणा बनाई जाती है कि बाहरी हस्तक्षेप से ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव है। लेकिन इतिहास बताता है कि ईरान में विदेशी दखलअंदाजी ने हमेशा उल्टा असर डाला है। 1953 में मोसादेग सरकार के तख्तापलट से लेकर आज तक, 'विदेशी साजिश' का कथानक ईरानी राष्ट्रवाद को मजबूत करता रहा है। बाहरी समर्थन से होने वाले आंदोलनों को जनता का व्यापक और स्थायी समर्थन नहीं मिल पाता। यही वजह है कि विपक्षी नेतृत्व, जो अक्सर देश से बाहर बैठा होता है, ईरान के भीतर विश्वसनीय विकल्प नहीं बन सका। इसके अलावा, ईरान वेनेजुएला नहीं है। यह एक बड़ा, संगठित और रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण देश है, जिसकी पकड़ इराक, सीरिया, लेबनान और यमन तक फैली हुई है। यहां किसी भी प्रकार का सैन्य हस्तक्षेप पूरे पश्चिम एशिया को आग में झोंक सकता है। इजराइल, खाड़ी देश, अमेरिका और यूरोपीय शक्तियां-सब इसके प्रभाव में आएंगे। चीन और रूस भी एक अस्थिर ईरान नहीं चाहते, क्योंकि वह उनके क्षेत्रीय और वैश्विक हितों के खिलाफ होगा। यह बहुध्रूवीय संतुलन ईरान की व्यवस्था को एक अप्रत्यक्ष सुरक्षा कवच प्रदान करता है।

ईरान के भीतर आम नागरिकों का गुस्सा अब केवल आर्थिक कुप्रबंधन या भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं रह गया है। एक बड़ा वर्ग यह मानने लगा है कि शासन की प्राथमिकताएं आम लोगों की जरूरतों से कट चुकी हैं। जब नागरिक भोजन, रोजगार और सम्मानजनक जीवन की मांग कर रहे हों, तब बाहरी दुश्मनों के खिलाफ वैचारिक युद्ध और यहूदी-विरोधी राजनीति उन्हें खोखली प्रतीत होती है। कई ईरानी मानते हैं कि इसी नीति ने देश को अंतरराष्ट्रीय अलगाव में धकेला और आर्थिक बर्बादी को जन्म दिया। यदि ईरान में बाहरी मदद से सत्ता परिवर्तन की कोशिश होती है, तो इसके परिणाम केवल ईरान तक सीमित नहीं रहेंगे। मध्य पूर्व में शक्ति-संतुलन बुरी तरह बिगड़ सकता है। शिया-सुन्नी तनाव, इजराइल-ईरान संघर्ष और वैश्विक ऊर्जा बाजार-सब पर इसका गहरा असर पड़ेगा। भारत के लिए यह स्थिति विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण होगी। भारत के ईरान के साथ ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। चाबहार बंदरगाह से लेकर ऊर्जा सुरक्षा तक, ईरान भारत की विदेश नीति में अहम स्थान रखता है। ऐसे में भारत को अत्यंत सावधानी के साथ अपने रणनीतिक संतुलन को बनाए रखना होगा, ताकि वह किसी एक ध्रूव का मोहरा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सके। अंततः, ईरान की वर्तमान उथल-पुथल यह संकेत देती है कि व्यवस्था पर दबाव वास्तविक है।

-ललित गर्ग

संप्रभुता की कीमत पर प्रभुत्वः ट्रम्प की नई वैश्विक रणनीति

ट्रम्प प्रशासन की विदेश नीति अब पारंपरिक कूटनीति की सीमाओं को पार कर चुकी है। यह अब केवल दबाव, संवाद या प्रतीकात्मक चेतावनियों तक सीमित नहीं है। शक्ति का खुला प्रदर्शन, प्रत्यक्ष धमकियाँ और सैन्य हस्तक्षेप को अब वैध विदेश नीति के साधन के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था, जो संप्रभुता, अंतरराष्ट्रीय कानून और बहुपक्षीय सहयोग पर टिकी थी, आज गंभीर संकट में है। अमेरिका फर्स्ट का नारा व्यवहार में अमेरिका एवरीवेयर बन चुका है। सैन्य शक्ति और आर्थिक प्रतिबंधों को नैतिक जिम्मेदारी या राष्ट्रीय सुरक्षा की भाषा में प्रस्तुत किया जा रहा है। इस बदलाव ने वैश्विक राजनीति को नया रूप दिया है।

जनवरी 2026 की घटनाओं ने इस नई कूटनीति को पूरी स्पष्टता से उजागर किया है। कूटनीति अब संवाद का माध्यम कम और नियंत्रण व दमन का औजार अधिक बन गई है। ट्रम्प प्रशासन की धारणा है कि वैश्विक संस्थाएँ और सहमति तभी उपयोगी हैं, जब वे अमेरिकी हितों से पूरी तरह मेल खाती हों। यदि ऐसा नहीं होता, तो एकतरफा कार्रवाई को अंतिम और उचित विकल्प माना जाता है। इस प्रवृत्ति ने विश्व में अस्थिरता को बढ़ावा दिया है। छोटे और मध्यम देशों के लिए भविष्य और अधिक अनिश्चित हो गया है। नियमों का स्थान शक्ति ने ले लिया है। सहयोग की जगह प्रतिस्पर्धा और दबाव हावी हो रहा है।

वेनेजुएला में अमेरिकी विशेष बलों की कार्रवाई इस आक्रामक कूटनीति का सबसे स्पष्ट उदाहरण है। 3 जनवरी 2026 को कराकास में सैन्य छापेमारी हुई। राष्ट्रपति निकोलस मदुरो और उनकी पत्नी को गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क ले जाया गया। ट्रम्प ने इसे सर्जिकल स्ट्राइक या कानून प्रवर्तन अभियान कहा। लेकिन यह एक संप्रभु राष्ट्र की राजनीतिक व्यवस्था पर सीधा हमला था। मदुरो को ड्रग तस्करी के आरोप में अदालत में पेश किया गया। इस कार्रवाई के पीछे तेल संसाधनों पर नियंत्रण और क्षेत्रीय प्रभुत्व की रणनीति स्पष्ट दिखती है। चीन, रूस और ईरान को वहाँ से बाहर करने की मंशा भी है।

इस हस्तक्षेप के बाद अमेरिका ने वेनेजुएला में संक्रमण काल को नियंत्रित करने की घोषणा की। संयुक्त राष्ट्र और कई देशों ने इसे अवैध बताया। रूस और चीन ने इसे आक्रामकता का प्रमाण कहा। लैटिन अमेरिकी देशों ने इसे मोनरो सिद्धांत के नए और खतरनाक संस्करण के रूप में देखा। ट्रम्प प्रशासन ने इसे मानवीय दायित्व और नशीले पदार्थों के खिलाफ युद्ध बताया। लेकिन आलोचक इसे संसाधनों और प्रभाव क्षेत्र की होड़ मानते हैं। अंतरराष्ट्रीय कानून की सीमाएँ धुंधली हो गई हैं। संप्रभुता का सिद्धांत गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है।

ईरान के संदर्भ में ट्रम्प प्रशासन की भाषा और भी उग्र व विस्फोटक रही है। जनवरी 2026 में ईरान में आर्थिक संकट के कारण बड़े विरोध प्रदर्शन हुए। ट्रम्प ने चेतावनी दी कि यदि प्रदर्शनकारियों पर हिंसा हुई तो अमेरिका हस्तक्षेप करेगा। लॉकड एंड लोडेड और हेल्प इज ऑन द वे जैसे बयान दिए गए। यह मात्र बयानबाजी नहीं थी। यह संभावित सैन्य हस्तक्षेप का स्पष्ट संकेत था। इससे मध्य पूर्व में तनाव चरम पर पहुँचा। होर्मुज जलडमरूमध्य में ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडराने लगा। वैश्विक व्यापार प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई।

ईरान नीति में वेनेजुएला मॉडल की छाया साफ दिखती है। आंतरिक असंतोष को बाहरी हस्तक्षेप का आधार बनाया जा रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि ऐसी धमकियाँ अल्पकाल में दबाव तो बनाती हैं। लेकिन दीर्घकाल में नेतृत्व को और कठोर व राष्ट्रवादी बनाती हैं। आंतरिक समर्थन बढ़ता है। रूस और चीन इसे पश्चिमी दोहरे मानदंडों का उदाहरण बताते हैं। इससे उनका वैश्विक प्रभाव बढ़ रहा है। अमेरिकी रणनीति उलटी पड़ सकती है। क्षेत्रीय स्थिरता पर गहरा असर पड़ रहा है।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रम्प की महत्वाकांक्षा इस कूटनीति का सबसे असामान्य लेकिन खतरनाक पहलू है। ट्रम्प ने कहा कि ग्रीनलैंड को एक या दूसरे तरीके से अमेरिका के अधीन होना चाहिए। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्कटिक रणनीति से जोड़ा गया। लेकिन वास्तव में यह संसाधनों और भू-राजनीतिक वर्चस्व की प्रतिस्पर्धा है। डेनमार्क और ग्रीनलैंड ने इसे स्पष्ट रूप से खारिज किया। इसे संप्रभुता पर सीधा आघात बताया गया। यूरोप में गहरी चिंता फैली। सभी विकल्प खुले जैसे बयानों ने सैन्य कार्रवाई की आशंका बढ़ा दी।

ग्रीनलैंड प्रकरण ने ह्वङ्गह्र के भीतर मौजूद मतभेदों को उजागर कर दिया है। अमेरिका इसे आर्कटिक में रूस और चीन के प्रभाव को रोकने के लिए आवश्यक बताता है। यूरोपीय सहयोगी इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन मानते हैं। जलवायु परिवर्तन से पिघलती बर्फ नए समुद्री मार्ग खोल रही है। संसाधनों की उपलब्धता बढ़ रही है। लेकिन सहयोग के बजाय शक्ति प्रदर्शन की प्रतिस्पर्धा तेज होती जा रही है। भविष्य के टकरावों की भूमिका बन रही है। वैश्विक संतुलन खतरे में पड़ता दिख रहा है।

वेनेजुएला, ईरान और ग्रीनलैंड–इन तीनों मोर्चों पर ट्रम्प प्रशासन की नीति एक साझा पैटर्न सामने लाती है। नियम-आधारित व्यवस्था के स्थान पर शक्ति-आधारित निर्णय लिए जा रहे हैं। कूटनीति अब संवाद का नहीं, बल्कि धमकी और दमन का माध्यम बन गई है। अल्पकाल में अमेरिका सशक्त दिखाई दे सकता है। लेकिन दीर्घकाल में सहयोगियों का भरोसा कमजोर पड़ रहा है। वैश्विक व्यवस्था दरक रही है।

-प्रो. आरके जैन

शुद्धता की जांच के बाद नगर में होती है पानी की सप्लाई

प्रतिदिन डाले जा रहे 2 हजार किलो एलम और 450 किलो ब्लीचिंग पाउडर

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगरवासियों को एक दिन छोड़कर नगर पालिका द्वारा जल वितरण किया जा रहा हैं। इस जल को शुद्ध करने के लिए जल शुद्धिकरण केंद्र में प्रतिदिन नपा द्वारा करीब 2 हजार किलो एलम और 450 किलो ब्लीचिंग पाउडर डाला जाता हैं। इसके बाद इस पानी को फिल्टर प्लांट में साफ करने के बाद आधे नगर में प्रदाय किया जाता हैं। पानी को साफ करने के लिए इसमें एलम और ब्लीचिंग पाउडर डालने का कार्य यहां तैनात कर्मचारियों द्वारा किया जाता हैं। अधिकारियों के अनुसार पानी को साफ करने के लिए तय मानक के अनुसार ही उक्त दवाईयां डाली जाती हैं। इसके लिए पानी की रेंडम सैम्पलिंग की जाती हैं। वहीं अधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण भी किया जाता हैं।

उल्लेखनीय है कि इंदौर में हुए हादसे के बाद सभी ओर पानी की शुद्धता को लेकर सर्तकर्ता बरती जा रही हैं। अधिकारियों का दल वार्डों में घुमकर पानी की शुद्धता का निरीक्षण कर रहा हैं। गत दिवस एसडीएम, सीएमओ सहित अन्य अधिकारियों ने जल शुद्धिकरण केंद्र का निरीक्षण किया था। जल शुद्धिकरण केंद्र में चीलर डैम में जमा पानी को पाइप लाइन के माध्यम से लाया जाता हैं। इसके बाद इस पानी को यहां बनाएं हुए गड्ढों में भरा जाता हैं। यहां पर इसमें प्रतिदिन 20 किलो वजनी एलम की 100 सिल्लियां डाली जाती हैं। इसके साथ ही तीन बेग ब्लीचिंग पाउडर इसमें डाला जाता हैं। प्रत्येक बेग का वजन 150 किलो रहता हैं। इतनी मात्रा में एलम और ब्लीचिंग पाउडर डालने के बाद इस पानी को फिल्टर प्लांट में साफ करके नगर में बनाई हुई 6 पानी की टंकियों तक पहुंचाया जाता हैं। इन टंकियों से नगर के करीब 12 हजार से ज्यादा नल कनेक्शनों के माध्यम से इस पानी को पूरे नगर में घर-घर सप्लाई किया जाता हैं। हालांकि नपा के फिल्टर प्लांट की क्षमता के अनुसार एक दिन में आधे नगर में ही जल वितरण हो पाता हैं। जबकि शेष आधे नगर में दूसरे दिन जल वितरण किया जाता हैं।

अभी तक नहीं बदला मानक...!

उल्लेखनीय है कि पूर्व में चीलर डैम से जल शुद्धिकरण केंद्र तक पानी खुली नहर और नदी में बहकर आता था। जिससे इसमें पूरे रास्ते में और भी गंदगी मिलती थी, लेकिन अब चीलर डैम से सीधे पाइप लाइन के माध्यम से पानी को सीधे जल शुद्धिकरण केंद्र में पहुंचाया जा रहा हैं। ऐसे में सबसे खास बात यह है कि जब पानी खुले माध्यम से जल शुद्धिकरण केंद्र पहुंचता था तब भी एलम और ब्लीचिंग की मात्रा इतनी ही डाली जाती थी, जितनी अब पाइप लाइन के माध्यम से आने के बाद डाली जाती हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि पानी को पाइप लाइन के माध्यम से लाने के बाद भी इसे साफ करने के लिए डाले जाने वाले एलम और ब्लीचिंग के मानक में कोई परिवर्तन करने की जरूरत क्यों नहीं पड़ी।

दो दिन के पानी का रखा जाता है स्टॉक- जानकारी के अनुसार नपा द्वारा जल शुद्धिकरण केंद्र में नगर में सप्लाई किए जाने वाले पानी का दो दिन का स्टाक हमेशा रखा जाता हैं। इस सभी को एलम और ब्लीचिंग डालकर साफ किया जाता हैं। ताकि नगर में जल वितरण के दौरान किसी प्रकार की परेशानी नहीं आए।

लिकेज नल कनेक्शन को किया जा रहा दुरुस्त

नगर पालिका द्वारा नगर में प्रतिदिन अलग-अलग वार्डों में भ्रमण करके नल कनेक्शनों की जांच की जा रही हैं। इसमें सबसे बड़ी बात यह सामने आई कि कई जगह पर नल कनेक्शन लिकेज हैं। ऐसे नल कनेक्शनों को दुरुस्त किया जा रहा हैं। हाल ही में नपा द्वारा नगर के वार्ड क्रमांक- 1, 14 और 25 में भ्रमण करके ऐसे नल कनेक्शनों को ठीक करवाया गया। नपा के अनुसार लगातार वे इस पर ध्यान दे रहे हैं। जिससे किसी प्रकार की परेशानी नहीं आए।

इनका कहना है- जल शुद्धिकरण केंद्र पर तय मानक के अनुसार ही एलम और ब्लीचिंग पाउडर पानी को साफ करने के लिए डाला जाता हैं। यहां पर समय-समय पर इंजीनियर द्वारा निरीक्षण भी किया जाता हैं। इसके साथ ही पूरे माह में कभी-भी नगर में हो रहे जल वितरण की रेंडम सैम्पलिंग की जाकर जांच भी की जाती हैं। पानी को साफ करके ही नगर में प्रदाय किया जा रहा हैं।

- भूपेंद्रकुमार दीक्षित,
सीएमओ, नगर पालिका-शाजापुर

बार-बार रंग बदल रहा मौसम, फिर छाया घना कोहरा

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर का मौसम बार-बार रंग बदल रहा है। एक दिन पहले लोगों को सर्दी से राहत मिली हुई थी, लेकिन गुरूवार को फिर मौसम बदल गया जिसने फिर ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। तो दिन की शुरूआत भी घने कोहरे के साथ हुई। जबकि उम्मीद तापमान बढ़ने व सर्दी कम होने की थी।

बुधवार को नगर का मौसम सामान्य था। कोहरा भी गायब था और तेज धूप खिली हुई थी। हल्की हवाएं जरूर लोगों को सर्दी का एहसास करा रही थी। उम्मीद थी कि अब सर्दी का पारा कम होगा, लेकिन गुरूवार सुबह फिर दिन की शुरूआत घने कोहरे के साथ हुई जिसकी विजिबिलिटी काफी कम थी। हालांकि कुछ देर बाद कोहरा छंटने के बाद धूप खिली और मौसम साफ हो गया, लेकिन सर्दी का एहसास बना रहा। दिनभर उत्तर-पूर्वी हवाओं ने सर्दी का एहसास कराया। इस दिन अधिकतम तापमान 27.3 व न्यूनतम तापमान 8.4 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि एक दिन पहले अधिकतम तापमान 28.7 व न्यूनतम तापमान 10 के करीब पहुंच गया था।

तापमान बढ़ने से मिलेगी राहत- फिलहाल सर्दी के कारण नगरवासी ठिठुर रहे हैं और अलाव का सहारा ले रहे हैं। लेकिन अब आगामी दिनों में तापमान में बढोत्तरी व सर्दी में कटौती होने की संभावना मौसम विभाग द्वारा जताई गई है। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि एक-दो दिन में तापमान बढ़ने लगेगा। मौसम विभाग के अनुसार दिन का तापमान 29 के करीब और रात का तापमान 10 से अधिक पहुंच सकता है।

एसआईआर के तहत जिले में अब तक लगभग 3 हजार मतदाताओं के प्रकरणों का निराकरण किया

दावे-आपत्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 22 जनवरी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देवास उप जिल निर्वाचन अधिकारी देवास ने बताया कि फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के लिए जारी कार्यक्रम अनुसार ऐसे मतदाताओं जिन्होंने इम्यूनिरेशन फार्म में अपना स्वयं का अथवा परिवार के सदस्य का 2003 की मतदाता सूची का विवरण अंकित नहीं किया गया था, ऐसे समस्त मतदाताओं को सूचना पत्र जारी किये गये है। सूचना पत्र प्राप्त होने पर संबंधित मतदाताओं द्वारा निर्धारित दिनांक पर संबंधित रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अथवा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों में अपेक्षित दस्तावेज प्रस्तुत किये जा रहे है। कार्यवाही अन्तर्गत जिले की पांचो विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रो में अब तक लगभग 03 हजार मतदाताओं के प्रकरणों का निराकरण कर लिया गया है।

समस्त मतदाताओं से अपील की जाती है कि सूचना प्राप्त होने पर आवश्यक अपेक्षित दस्तावेज संबंधित ईआरओ अथवा एईआरओ कार्यालय में प्रस्तुत करें ताकि निर्धारित समय-सीमा में दस्तावेजों का सत्यापन किया जा सकें।

गहन पुनरीक्षण कार्यवाही अन्तर्गत अब तक जिले में नाम जोड़े जाने हेतु लगभग 09 हजार फार्म-6 तथा विवरण संशोधन के लिए 08 हजार मतदाताओं ने फार्म-8 में आवेदन प्रस्तुत किये है। दावे-आपत्ति प्रस्तुत करने हेतु अंतिम तिथि 22 जनवरी 2026 है। समस्त पात्र मतदाता निर्धारित प्रारूप में अपने आवेदन नियत समयावधि में अपने क्षेत्र के बीएलओ को जमा कर सकते है। आवेदन आनलाईन भी भरा जा सकता है।

जिले में फिर जंगली जानवर की दहशत, अकोदिया की संजय कालोनी में किया दो कुत्तों का शिकार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में फिर जंगली जानवर की दहशत हुई है। जिसने बीती रात दो कुत्तों को अपना शिकार बनाया है। मौके पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारियों ने पैरों के निशान तो लिए हैं। लेकिन वे स्पष्ट कुछ कह नहीं पा रहे हैं। इधर ग्रामीण इसे लकड़बग्घा या चीता बता रहे हैं।

अकोदिया की संजय कालोनी में पिछले दो दिनों से एक जंगली जानवर के मूवमेंट से लोग दहशत में हैं। लोगों ने बताया कि जानवर ने अब तक दो कुत्तों का शिकार किया है। घटना के बाद से कालोनी के लोग खासकर रात के समय बाहर निकलने से बच रहे हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि जानवर का आकार और हमला करने का तरीका अलग है। इसी वजह से आशंका जताई जा रही है कि यह चीता या लकड़बग्घा हो सकता है। कुछ लोगों ने जानवर को रात के समय कालोनी के आसपास घूमते हुए देखने का दावा भी किया है।

वन विभाग और पुलिस अलर्ट- थाना प्रभारी संजयसिंह राजपूत ने बताया कि मामले की जानकारी वन विभाग को दे दी गई है। सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और इलाके का निरीक्षण किया, लेकिन जानवर नजर नहीं आया। वन विभाग की टीम को घटनास्थल के आसपास जानवर के पैरों और नाखूनों के निशान मिले हैं। हालांकि इन निशानों के आधार पर अभी यह साफ नहीं हो पाया है कि जानवर कौन सा है। पहचान के लिए जांच जारी है।

संकल्प से समाधान अभियान का वार्ड 1 व 2 मे हुआ शुभारंभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ हर पात्र हितग्राही को मिले इस उद्देश्य को लेकर नगर निगम द्वारा शासन निर्देशानुसार श्संकल्प से समाधानश् अभियान के अन्तर्गत 45 ही वार्डो में शिविरों का आयोजन 12 जनवरी से 15 फरवरी तक किया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत गुरूवार 15 जनवरी को वार्ड 1 बिलावली के शासकीय स्कुल मे संकल्प से समाधान अभियान का शुभारंभ निगम राजस्व विभाग समिती अध्यक्ष व वार्ड पार्षद जितेन्द्र मकवाना के द्वारा निगम उपायुक्त आरती खेडेकर के साथ किया गया। इसी प्रकार वार्ड 2 आवास नगर में स्थित संत रविदास नगर मे शासकीय स्कुल परिसर मे संकल्प से समाधान अभियान का शुभारंभ निगम उपायुक्त जाकिर जाफरी के द्वारा निगम प्र. कार्यपालन यंत्री जगदीश वर्मा के साथ किया गया। उल्लेखनिय है कि शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं मे म.प्र. भवन एवं संनिर्माण कर्मकार मंडल योजना, अन्तेष्टि सहायता योजना,कर्मकार अनुग्रह योजना, मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना आदि सहित शासन की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को मिले इस हेतु निगम द्वारा समस्त वार्डो मे शिविर आयोजित किये जा रहे है।

रामाश्रय वृद्धाश्रम में संक्रांति पर्व पर सहभोज एवं स्वास्थ्य परीक्षण संपन्न

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पेंशनर एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ देवास की प्रेरणा से एम.एल.सोलंकी परिवार ने मकर संक्रांति पर्व पर मक्सी रोड स्थित रामाश्रय वृद्धाश्रम में निवासरत 22 वृद्धजनों को दाल बाफला, गजक युक्त भोजन कराया। इस अवसर पर अवंतिका चिकित्सालय देवास के संचालक डॉ. एस.एस.मालवीय ने समस्त वृद्धजनों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया। उपर्युक्त दोनों कार्यो में पेंशनर एवं वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ के संस्थापक संरक्षक एम.एल.मालवीय देवड़ा, जिलाध्यक्ष पं. देवीशंकर तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण मोहरी, जिला कोषाध्यक्ष अशोक चैहान, विक्रमसिंह अमलावदिया, प्रेमलता सोलंकी, शैतानबाई बामनिया आदि ने सेवा प्रदान की। स्वास्थ्य परीक्षण में अधिकांश वृद्धजनों में उच्च रक्तचाप तथा मधुमेह के रोगियों के उपचार के साथ योग, व्यायाम तथा संतुलित आहार की सलाह दी।

युवा दिवस के उपलक्ष्य में हुए अनेक आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा म.प्र. सतपुडा भवन के 15/5/आउशि/अकादमी/2026 भोपाल दिनांक 05/01/2026 के परिपालन में स्व. तुकोजीराव पवार शासकीय विज्ञान महाविद्यालय देवास में प्राचार्य प्रो. प्रमोद कुमार पलाश्या के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानन्द की जयंती युवा दिवस के उपलक्ष्य में युथ रेडक्रास के अंतर्गत 06 जनवरी से 12 जनवरी तक सेवा सप्ताह के अंतर्गत स्वामी विवेकानन्द के जीवन विचारो एवं राष्ट्रीय निर्माण में उनके योगदान पर आधारित विभिन्न प्रतियोगिताऐं आयोजित कि गई। 06 जनवरी को निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमे महाविद्यालय के 32 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर एम.एस.सी. की प्रथम सेमेस्टर की छात्रा वैष्णवी शर्मा रही, द्वितीय स्थान पर दिपीका तॅवर, प्रथम वर्ष तृतीय स्थान पर निधि लोधी रहें।

07 जनवरी को भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमे प्रथम स्थान पर वैष्णवी शर्मा, द्वितीय स्थान पर दिपीका तॅवर, तृतीय स्थान पर मोनिका धाकड पर रही। 08 जनवरी को पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमे प्रथम दिपीका तॅवर, द्वितीय निधि लोधी और तृतीय अर्चिता गौड रहें। उक्त दिवस को स्वच्छता जागरूकता गतिविधियॉ आयोजित की गई जिसमें महाविद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें। 09 जनवरी को नशामुक्त समाज के उद्वेश्य से नशामुक्ती अभियान के अंतर्गत जन जागरूकता रेली निकाली गई। जिसमें महाविद्यालय विद्यार्थीयो के साथ समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। महाविद्यालय में प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रो. नूरबी खान, प्रो. उषा गौड, प्रो. गणेश कुशवाह के द्वारा करवाया गया। समस्त स्टाफ का विशेष संहायोग रहा।

जीवन को प्रफुलित करते हैं आनंद के पल

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शासन के निर्देशानुसार प्रदेश में आनंद उत्सव 14 जनवरी से 28 जनवरी तक मनाया जा रहा है। इसी संदर्भ में नगर निगम आयुक्त दलीप कुमार के मार्गदर्शन में गुरूवार दिनांक 15 जनवरी को आनंद उत्सव के अंतर्गत कार्यक्रम महाकाल कालोनी में स्थित शासकीय माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। आनंद के पल मानव जीवन को प्रफुल्लित करते हैं। हम सभी को जीवन को ऊर्जावान करने के लिए कुछ समय आनंद में बिताना चाहिए। यह विचार विद्यालय में आनंद उत्सव के अंतर्गत नगर निगम स्वच्छ भारत मिशन से अरुण प्रताप तोमर ने प्रकट किए।

प्रधानाध्यापक एवं स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर महेश सोनी ने बताया कि में विद्यालय में भी आनंद उत्सव का आयोजन किया गया। छात्रध् छात्राओं द्वारा उनके परिवारजनों की उपस्थिती में कबड्डी, कुर्सी दौड़, नीबू रेस, रस्सी खींच, बोरा दौड़ एवं अन्य पारम्परिक खेलों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सनोह इंडिया प्राइवेट लिमिटेड उप प्रबंधक देवेंद्र तिवारी,खुशी पांचाल, स्वच्छ भारत मिशन सुपरवाइजर शाहनवाज खान, राजवर्धन सिंह ,माखन बागाड़ीया ,मोहित मालवीय ,आरव राठौड़,फिरोज खान, शकुंतला मालवीय अलका परमार राजेश चैहान एवं बच्चों के परिवारजन उपस्थित थे। सभी प्रतिभागियों को तथा विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

सांसद खेल महोत्सव का भव्य आयोजन, खिलाड़ियों में दिखा उत्साह और आत्मविश्वास

फिट इंडिया-सशक्त इंडिया की परिकल्पना को किया साकार

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देशभर में फिटनेस, खेल संस्कृति एवं स्थानीय खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत शाजापुर विधानसभा में 15 जनवरी 2026 को भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्थानीय शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शाजापुर के खेल मैदान में हुआ, जहाँ खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और आम नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

जिला खेल अधिकारी रविंद्र हार्डिया ने बताया कि इस महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न स्थलों पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। गांधीहाल में बालक एवं बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता, स्टेडियम मैदान में मलखंभ, हिंद जूनियर स्कूल मैदान में वालीबाल एवं बास्केटबाल, जबकि शासकीय उत्कृष्ट उमावि शाजापुर के मैदान में खो-खो, रस्साकशी तथा 100 मीटर व 200 मीटर दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन के साथ किया गया। इसके बाद विद्याकुंज स्कूल एवं सीएम राइज स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। वहीं विजेता, उपविजेता एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों व खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। साथ ही सांसद महेंद्रसिंह सोलंकी द्वारा सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को टी-शर्ट का वितरण किया गया। प्रतियोगिता के दौरान सांसद ने सभी खेल मैदानों का निरीक्षण कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं उनका उत्साहवर्धन किया।

खेलों से आता है आत्मविश्वास- पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए सांसद श्री सोलंकी ने कहा कि खेल केवल शारीरिक क्षमता ही नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविश्वास का निर्माण करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने खेलों को राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दिया है, जिससे ग्रामीण और छोटे शहरों की प्रतिभाएँ आगे आ रही हैं। सांसद खेल महोत्सव इसी सोच का परिणाम है। विधायक अरूण भीमावद ने कहा कि शाजापुर की धरती प्रतिभाओं से समृद्ध है। सरकार खेलों के माध्यम से युवाओं को नशे, निराशा और भटकाव से दूर रखकर स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में कार्य कर रही है। कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष पं. आशीष नागर, जिला मंत्री उमेश टेलर, जिला उपाध्यक्ष शीतल भावसार, विकास सिंदल, सोनू सोलंकी, एडीएम बीएस. सोलंकी, एएसपी घनश्याम मालवीय, एसडीएम मनीषा वास्कले, सांसद खेल महोत्सव के प्रभारी विश्वामित्र पुरस्कार प्राप्त सुदेश सांगते, जयंत जैन, शुभम जाधव आदि उपस्थित थे। संचालन शिक्षिका रेखा पुरोहित ने किया तथा आभार आशीष नागर ने माना।

सीएमएचओ और सीएमओ में हुई नोंकझोंक

शिकायत मिलने पर पहुंची अस्पताल, सिविल सर्जन को नही ड्यूटी डॉक्टर की जानकारी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला अस्पताल में गुरुवार को एक बार फिर अव्यवस्थाएं सामने आई है। मातृ एवं शिशु भवन में सोनोग्राफी कराने आई गर्भवती महिलाओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। तय समय पर सोनोग्राफी करने वाले डॉक्टर अस्पताल में मौजूद नहीं थे। शिकायत मिलने पर जब सीएमएचओ को मिली तो वे सीधे अस्पताल पहुंची। जहां उनकी सिविल सर्जन से तीखी नोंकझोंक हुई।

दरअसल महिलाएं सुबह से जांच के लिए पहुंच गई थीं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी उन्हें कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी। महुपुरा निवासी कान्हा जाटव भी अपनी पत्नी की सोनोग्राफी कराने जिला अस्पताल आए थे। करीब एक घंटे तक वे सोनोग्राफी कक्ष के बाहर बैठे रहे, लेकिन डॉक्टर नहीं पहुंचे। पूछताछ केंद्र पर जाने पर भी कर्मचारियों ने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। परेशान होकर परिजनों ने अव्यवस्थाओं का वीडियो बनाना शुरू किया। इसके बाद उन्हें अस्पताल पुलिस चौकी भेज दिया गया, जहां कुछ देर खड़ा रखने के बाद वापस लौटा दिया गया। कान्हा जाटव ने सिविल सर्जन से संपर्क किया, लेकिन वहां भी स्टाफ की कमी का हवाला देकर बात टाल दी गई। इसके बाद उन्होंने सीएमएचओ डॉ. कमला आर्य को फोन कर स्थिति बताई। सूचना मिलते ही सीएमएचओ खुद जिला अस्पताल पहुंचीं और मातृ एवं शिशु भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जहां महिला डॉक्टर और नर्स की ड्यूटी होनी चाहिए थी, वहां ताले लटके मिले। कई जगह गार्ड और कर्मचारी भी अनुपस्थित थे। इसी दौरान सिविल सर्जन डॉ. बीएस मैना भी अस्पताल पहुंचे। ड्यूटी व्यवस्था को लेकर सीएमएचओ और सिविल सर्जन के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। सीएमएचओ ने सवाल किया कि सिविल सर्जन को डॉक्टरों की ड्यूटी की जानकारी क्यों नहीं है। सिविल सर्जन ने अनभिज्ञता जताई, जिस पर सीएमएचओ ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और ड्यूटी में लापरवाही पर फटकार लगाई।

माहेश्वरी समाज का अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन संपन्न, देवास जिले से 24 सदस्यों ने लिया हिस्सा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माहेश्वरी समाज के जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र मूंदड़ा ने बताया कि समाज का अंतर्राष्ट्रीय अधिवेशन जोधपुर राजस्थान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, विशेष अतिथि लोकसभा स्पीकर ओमप्रकाश बिरला, माननीय राज्यपाल हरिभाउ किशन रावजी वागड़े तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, जोधपुर के सांसद एवं मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत एवं राजसमन्द विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी आदि थे।

मुख्य अतिथि अमित शाह ने कहा कि भारतीय इतिहास में राष्ट्रनिर्माण के अनेक कार्यों में योगदान देने वाला माहेश्वरी समाज आज इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन व स्टार्टअप के माध्यम से 'विकसित भारत' के निर्माण को गति दे रहा है। इस समाज के द्वारा जोधपुर में आयोजित 'माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन एवं एक्सपो-2026' में उद्यमियों व युवाओं से संवाद किया। यह एक्सपो भारतीय व्यवसायों को ग्लोबल एक्सपोजर देने, विभिन्न उद्योगों को एक मंच पर लाने व निर्यात के अवसर तलाशने की दिशा में अहम सिद्ध हो रहा है। साथ ही, यहाँ माहेश्वरी समाज के गौरवमयी इतिहास को चिरस्मरणीय बनाने के लिए डाक टिकट एवं समाज की पत्रिका माहेश्वरी गौरव ग्रंथ का विमोचन किया गया और इस समाज द्वारा गरीबों को आवास देने की योजना का भी लोकार्पण किया। श्री शेखावत ने प्रधानमंत्री के द्वारा मिले संदेश का वाचन किया।

अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के नायक संदीप काबरा को महानायक के रूप मे देखकर,हर एक माहेश्वरी का सीना गर्व से भर गया। पूरे आयोजन में जोधपुर माहेश्वरी समाज के प्रत्येक व्यक्ति ने जिस अनुशासन से, आए हुए सभी (लगभग 50000) समाज जनों का जो स्वागत,सत्कार व प्रेम दर्शाया ,वह हमेशा- हमेशा के लिए स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा।

अफीम तस्कर को कोर्ट ने सुनाई 15 साल की सजा, हाईवे पर ट्रक ड्राइवरों को बेचता था, 2 लाख का जुर्माना भी लगा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विशेष सत्र न्यायाधीश (एनडीपीएस) न्यायालय ने एक अफीम तस्कर को 15 साल के सश्रम कारावास और दो लाख रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई है। आरोपी पर शाजापुर हाईवे पर ट्रक चालकों को अवैध रूप से अफीम बेचने का आरोप था। यह फैसला 15 जनवरी 2026 को सुनाया गया।

मामला 7 फरवरी 2021 का है। थाना बैरछा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना के अनुसार, एक व्यक्ति काले रंग की हुंडई वरना कार (एमपी 09 सीएक्स 6925) में अवैध अफीम भरकर शुजालपुर से बैरछा की ओर आ रहा था। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पंच साक्षियों को बुलाया और ग्राम रंथभंवर रेलवे फाटक, सुंदरसी रोड के पास नाकाबंदी की। रात करीब 8.30 बजे संदिग्ध हुंडई वरना कार को रोका गया। कार चालक की पहचान जावरा, जिला रतलाम निवासी इकबाल पिता दिलावर खां के रूप में हुई। तलाशी के दौरान ड्राइवर सीट के पास नीचे रखे एक काले बैग से 14 पैकेट अफीम बरामद की गई, जिसका कुल वजन 7 किलोग्राम था। पुलिस ने अफीम और कार को जब्त कर आरोपी इकबाल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह हाईवे पर ट्रक चालकों को अफीम बेचने का काम करता था। इस पर आरोपी के खिलाफ थाना बैरछा में अपराध दर्ज कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया।

कोर्ट ने सुनाई 15 साल की सजा - मध्यप्रदेश शासन की ओर से लोक अभियोजक एवं शासकीय अभिभाषक महेन्द्र सिंह परमार ने प्रकरण का संचालन किया। विचारण के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और प्रमाणों के आधार पर न्यायालय ने पाया कि आरोपी ने बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी की थी, जिसका समाज पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

तिल-गुड़ से मुँह मीठा कराया और अपनी आकांक्षायें लिखकर दीदियों ने उड़ाई पतंगें

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्व-सहायता समूहों से जुड़ीं दीदियों ने तिल-गुड़ से एक-दूसरे का मुँह मीठा कराया और अपनी आकांक्षायें, सपने व सकारात्मक सोच लिखकर खुले आसमान में पतंगे उड़ाई। मौका था संक्रांति के अवसर पर नयी चेतना- हौसलों की उड़ान के तहत धूमेश्वर महादेव मंदिर परिसर में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा आयोजित किए गए पतंग उत्सव सह तिल-गुड़ बैठक का ।

ज्ञात हो सरकार के दिशा-निर्देशों के पालन में ग्वालियर जिले में भी नयी चेतना- हौसलों की उड़ान जेंडर कैंपेन के तहत महिला सशक्तिकरण को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 13 से 15 जनवरी तक विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस आयोजन में महिलाओं के स्वास्थ्य, आजीविका और जेंडर के मुद्दों के संबंध में सामुदायिक स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी क्रम में संक्रांति पर्व पर स्थानीय जनपद पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी नारायण राजे के मुख्य आतिथ्य में पतंग उत्सव व तिल-गुड़ सम्मेलन आयोजित हुआ। नयी चेतना- हौसलों की उड़ान अभियान के आखिरी दिन यानि गुरुवार 15 जनवरी को स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से जिले में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के समस्त कलस्टर व लेवल फेडरेशन स्तर पर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक श्री विनीत गुप्ता ने बताया कि स्वास्थ्य शिविरों में स्व-सहायता समूहों से जुड़ीं दीदियों की ब्लड प्रेशर, एनीमिया व मधुमेह आदि की जांच की गई। साथ ही महिलाओ से जुड़े मुद्दे जैसे संतुलित एवं पोष्टीक भोजन, बजन नियंत्रण, शिशु-माँ टीकाकरण एवं सेनेटरी नेपकिन के प्रयोग आदि पर महिलाओं को उपयोगी जानकारी दी गई। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक श्री गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम के पहले दिन लखपति दीदी संवाद, दूसरे दिन पतंग उत्सव व तिल-गुड़ सम्मेलन एवं आखिरी दिन स्वास्थ्य शिविर लगाए गए।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान मे खेलो एमपी विकास खंड स्तरीय कार्यक्रम संपन्न

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा देपालपुर में मालवा पब्लिक स्कूल, शिव शक्ति व्यायामशाला तथा विद्यापति इंटरनेशनल स्कूल में विभिन्न खेल के चयन ट्रायल हुए जिसमें कबड्डी , खो - खो, एथेलेटिक्स, कुश्ती, क्रिकेट, वॉलीबॉल , बैडमिंटन, रस्साकस्सी , स्विमिंग, टेबल टेनिस, चेस, पिट्ठू, आदि खेलो के चयन हुए । चयन स्पर्धा का शुभारंभ भाजपा. मंडल अध्यक्ष देवकरण दरबार, नगर परिषद अध्यक्ष अनीता महेश पूरी गोस्वामी, उपाध्यक्ष गोपाल कटेसरिया, सत्यनारायण जी पटेल, मालवा स्कूल संचालक रामनारायण पांचाल, प्रिंसिपल दीपाली गुप्ता , खेल विभाग ब्लाक अधिकारी जयपुरी गोस्वामी उपस्थित रहे व चयनकर्ता में मुख्य रूप से विक्रम परमार, विकास मौर्य, दिलीप जाधव , शैलेन्द्र चौहान, राम चौधरी, गोविंदा सिंदुरिया , अजय सोलंकी, नरेंद्र धाकड़, महताब नागर, मलखान सिंह,नितेश जाट, मनीष , शुभम पटेल उपस्थित रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्र में लगभग एक सैंकड़ा फुटकर खाद विक्रेताओं को दिया गया प्रशिक्षण

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले के किसानों को भी पारदर्शिता व सुगमता के साथ खाद (रासायनिक उर्वरक) उपलब्ध कराने के लिये अब डिजिटल टोकन के आधार पर खाद वितरित किया जायेगा। इसके लिये सरकार द्वारा ई-विकास प्रणाली लागू की गई है। गुरुवार को जिले के लगभग एक सैंकड़ा फुटकर खाद विक्रेताओं को ई-विकास प्रणाली के तहत डिजिटल टोकन के आधार पर खाद वितरित करने की बारीकियां सिखाई गईं। यह प्रशिक्षण कृषि विज्ञान केन्द्र ग्वालियर के सभागार में दिया गया। यह पहल डिजीटल कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो न केवल किसानो को सशक्त बनाती है। बल्कि सरकारी संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन में भी सहायक होगी । डिजिटल टोकन में किसान की आवश्यकतानुसार उर्वरक की मात्रा, उर्वरक वितरण केन्द्र, तिथि एवं समय का उल्लेख होता है। इससे वितरण केन्द्रों पर अनावश्यक भीड नहीं लगती है। साथ ही किसानों को लम्बी कतारों से राहत मिलती है। डिजिटल प्रणाली के माध्यम से कालाबाजारी और बिचौलियों की भूमिका पर भी प्रभावी अंकुश लगेगा। कृषि विज्ञान केन्द्र में आयोजित हुए फुटकर खाद विक्रेताओं के प्रशिक्षण में उप संचालक कृषि श्री रणवीर सिंह जाटव, सहायक संचालक कृषि डॉ. कुलदीप सिंह व सहायक संचालक कृषि श्री विशाल पाठक द्वारा ई-विकास प्रणाली के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

हनुमान गढ़ी में नानी बाई रो मायरो कथा का समापन

अंतिम दिन उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ावदा नगर के नजदीक प्राचीन हनुमान गढ़ी मंदिर में आयोजित पांच दिवसीय नानी बाई रो मायरा कथा का गुरुवार को समापन हुआ। कथा के अंतिम दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े, जिससे रामनगर, सेदरी, धतुरिया, नारेली एवं बड़ावदा आदि जगह से भक्त पहुंचे कथा वाचक संत श्री कृष्ण दास महाराज (कान्हा भगत जी) ने नरसीग़ जी मेहता और नानी बाई के मायरे के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि कैसे भगवान ने स्वयं प्रकट होकर 56 करोड़ रुपये का मायरा भरा था कथा के दौरान भगवान के सेठ रूप में आगमन और सूरदास संतों को नेत्र ज्योति मिलने की मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गईं। संत श्री कृष्ण दास जी महाराज (कान्हा भगत जी) ने आधुनिकता के दौर में सनातन परंपराओं, तिलक और संस्कारों को न भूलने का आह्वान किया। उन्होंने जोर दिया कि अटूट आस्था होने पर भगवान स्वयं भक्त के कार्यों को सफल बनाते हैं समापन के अवसर पर पूरा पांडाल जयकारों और भजनों से गूंज उठा।प्रतिदिन कथा के संपन्न होने के पश्चात प्रसादी का वितरण व आरती का आयोजन होता।अंतिम दिन नगर के प्रेस क्लब सदस्यों ने कथा वाचक महंत जी का स्वागत किया साथ ही अगले वर्ष भी इसी तरह आयोजन की तैयारी के लिए श्रद्धालुजनों ने अपनी अपनी श्रद्धा से राशी के योगदान की घोषणा की।

बड़ावदा नगर में गोशाला में गायों को खिलाया चारा

बड़ावदा /प्रवीण व्यास /दैनिक मालवा हेराल्ड। बड़ावदा नगर में कस्बे और आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को मकर संक्रांति पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर गोशालाओं में गायों को चारा खिलाया गया और लोगों ने दान-पुण्य के कार्य किए। गोशालाओं में गायों को हरा चारा, धनिया आलू, गुड़, रोटी और लापसी खिलाई गई। कई स्थानों पर हवन-यज्ञ का भी आयोजन हुआ। वहीं, मकर संक्रांति पर गरीब, बेसहारा और निराश्रित लोगों को अन्न तथा वस्त्र दान किए गए। हवन-यज्ञ भी हुए बस स्टैंड के नजदीक श्री गोपाल गोशाला सहित अन्य गोशालाओं में बड़ी संख्या में लोगों ने गायों को हरा चारा, धनिया आलू, गुड़, लापसी और रोटी खिलाई। लोगों ने गरीबों और निराश्रितों को गर्म कपड़े व कंबल भी वितरित किए।मंदिरों में उमड़े लोग काफी संख्या में लोग धार्मिक स्थलों पर भी पहुंचे। मंदिरों में भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की गई और परिवार की खुशहाली की कामना की गई।

10वें सशस्त्र बल वेटरन्स दिवस पर कलेक्टर ने भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हर वर्ष 14 जनवरी को सशस्त्र बल वेटरन्स दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में 10वा सशस्त्र बल वेटरन्स दिवस के अवसर पर शासन के निर्देशानुसार जिले में सम्मान और गरिमा के साथ मनाया गया। आज जिला स्तर पर कलेक्टर नेहा मीना ने भूतपूर्व सैनिकों के योगदान को नमन करते हुए उनका सम्मान किया। उन्होंने अंतर्गत सूबेदार श्री अरविन्द कुमार पटेल, सीपीआई श्री कैलाश चंद्र राठौर तथा हवलदार श्री नारायण सिंह चौहान को पुष्पमाला, शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। कलेक्टर ने कहा कि देश की सुरक्षा, संप्रभुता एवं अखंडता की रक्षा में भूतपूर्व सैनिकों का योगदान अतुलनीय है।

ग्वालियर मेले में 19 जनवरी से शुरू होगा दंगल, तैयारियां जारी

पुरुष व महिला पहलवानों के होंगीं अलग-अलग कुश्तियां

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेला में इस बार भी कुश्ती प्रतियोगिता (दंगल) का आयोजन होने जा रहा है। दंगल की तैयारियां जारी हैं। मेले में पुरुष पहलवानों की जिला, संभाग व राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगितायें होंगीं। वहीं महिलाओं की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता होगी।

महिलाओं व पुरुषों की अलग-अलग और विभिन्न वजन वर्ग में कुश्ती प्रतियोगितायें होंगीं। दंगल की शुरूआत 19 जनवरी से होगी। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय व चतुर्थ स्थान हासिल करने वाले पहलवानों को ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार देकर पुरस्कृत किया जायेगा।

मेला में आयोजित होने जा रहे दंगल के नोडल अधिकारी एवं जिला खेल व युवा कल्याण अधिकारी श्री जोसेफ बक्सला ने बताया कि पुरुष पहलवानों की जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 19 से 20 जनवरी तक आयोजित होने जा रही है। जिला स्तरीय प्रतियोगिता 40-45, 51, 57, 61, 65, 70, 74, 79, 84 व 84 से अधिक किलोग्राम वर्ग में होगी। जिला स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता में भाग ले रहे पहलवानों का वजन 19 जनवरी को किया जायेगा। पुरुषों की संभाग स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 45-51, 57, 61, 65, 70, 74, 79, 84 व 84 से अधिक किलोग्राम वर्ग में 21 से 22 जनवरी तक आयोजित होगी। संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने जा रहे पहलवानों का वजन 21 जनवरी को लिया जायेगा। मेले में पुरुष पहलवानों का राज्य स्तरीय दंगल 23 से 25 जनवरी तक आयोजित किया जायेगा। इसमें राज्य भर के 45-51, 57, 61, 65, 70, 74, 79, 84 व 84 से अधिक किलोग्राम वर्ग के पहलवान अपने दाँव-पेंच दिखायेंगे। राज्य स्तरीय दंगल में भाग लेने वाले पहलवानों का वजन 23 जनवरी को लिया जायेगा। महिला पहलवानों का राज्य स्तरीय दंगल 23 से 25 जनवरी तक होगा ग्वालियर मेले में महिला पहलवानों का राज्य स्तरीय दंगल (कुश्ती प्रतियोगिता) 23 से 25 जनवरी तक आयोजित किया जायेगा। महिला दंगल में 35-40, 50, 60 एवं 60 से अधिक व 70 किलोग्राम वर्ग की महिला पहलवान भाग लेंगीं। राज्य स्तरीय दंगल में भाग लेने वाली महिला पहलवानों का वजन 23 जनवरी को लिया जायेगा। अधिक जानकारी के लिये पहलवान इनसे करें संपर्क मेले में आयोजित होने जा रहे

दंगल में भाग लेने के इच्छुक पहलवान अधिक जानकारी के लिये कुंवर राज कटारे (मोबा. 9826968411), कर्मवीर सिंह (मोबा. 9926455491) एवं सुरेन्द्र यादव (मोबा. 8889890103) से संपर्क कर सकते हैं।

नशा उन्मूलन के लिये समाज का हर वर्ग आगे आए - ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

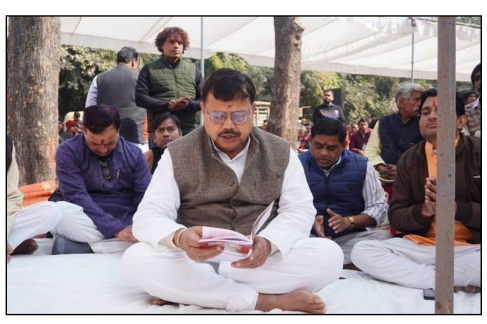

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नशा संपूर्ण समाज के लिए एक बड़ी समस्या है। नशे के नाश के लिए समाज के हर वर्ग को आगे आकर प्रयास करना चाहिए। यह बात ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने गुरुवार को जनकल्याण समिति के नवीन भवन निर्माण कार्य के भूमिपूजन अवसर पर कही। ग्वालियर शहर को स्वच्छ, हरा-भरा, प्रदूषण मुक्त व नशा मुक्त बनाने की कामना को लेकर संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन भी इस अवसर पर हुआ। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा नशा मुक्त ग्वालियर बनाने के लिए युवाओं को आगे आकर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने आव्हान किया कि हम सब संकल्पबद्ध होकर नशा उन्मूलन की दिशा में आगे बढ़ें। सभी लोग मिलजुलकर अपने वार्ड, गली, मोहल्ले के लोगों, साथियों, परिवार के सदस्यों एवं समाज के स्वजनों को भी नशे से दूर रखने के लिये प्रयास करें।

इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सुन्दरकाण्ड पाठ में शामिल श्रद्धालुओं को अपने शहर को स्वच्छ और भरा बनाने के लिए डस्टबिन प्रदान की। साथ ही शपथ दिलाई कि ग्वालियर को स्वच्छ, हरा-भरा, प्रदूषण मुक्त और नशा मुक्त बनाने के अभियान के लिए समय निकालेंगे और अपने आसपास रहने वाले लोगों को भी इस अभियान से जुड़ने और साफ-सफाई रखने के लिए प्रेरित करेंगे। उल्लेखनीय है कि ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की पहल पर ग्वालियर शहर को स्वच्छ, प्रदूषण मुक्त, नशा मुक्त बनाने के लिए आरंभ हुई संगीतमय रामधुन की श्रृंखला में जन कल्याण समिति ग्वालियर द्वारा गुरुवार को गणेश कॉलोनी, गोवर्धन बिहार, खरगेश्वर मंदिर चार शहर का नाका में संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया। इससे पहले ऊर्जा मंत्री की मौजूदगी में जनकल्याण समिति परिवार के सदस्यों द्वारा नवीन भवन के निर्माण कार्य के लिये वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भूमिपूजन किया गया।

स्वच्छ जल अभियान के अंतर्गत जनसुनवाई के साथ जल सुनवाई का भी आयोजन

जल संबंधी शिकायतों का किया जा रहा त्वरित एवं प्रभावी समाधान

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मंशानुसार प्रदेश में स्वच्छ जल अभियान का संचालन किया जा रहा है। यह अभियान दो चरणों में आयोजित हो रहा है, जिसमें प्रथम चरण 10 जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक तथा द्वितीय चरण 1 मार्च से 31 मार्च 2026 तक संचालित किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत आम नागरिकों की पेयजल से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु जल सुनवाई की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले में आमजन की जल संबंधी समस्याओं के शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के साथ अब जल सुनवाई भी आयोजित की जा रही है। इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायत एवं वार्ड स्तर पर भी जनसुनवाई का आयोजन कर मौके पर ही जल संबंधी शिकायतों का निराकरण किया जा रहा है।

जल सुनवाई के दौरान नागरिकों द्वारा जल आपूर्ति, पेयजल उपलब्धता, नल कनेक्शन, जलस्तर, पाइपलाइन, पानी की टंकी, हैंडपंप सहित अन्य जल संबंधी समस्याओं से संबंधित शिकायतें प्रस्तुत की जा सकती हैं। प्राप्त शिकायतों की सुनवाई कर उनका शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है।

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जल सुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निराकरण का मौका मुआयना किया

कलेक्टर एवं नगर निगम कमिश्नर ने दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में किया भ्रमण

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल सुनवाई में प्राप्त शिकायतों का मौके पर जाकर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने नगर निगम आयुक्त एवं मैदानी अमले के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने मैदानी अमले को निर्देशित किया है कि जल सुनवाई में प्राप्त शिकायतों का निराकरण तत्परता से और गुणवत्ता के साथ किया जाए। किए गए कार्यों की जानकारी शिकायतकर्ता को भी दी जाए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रत्येक मंगलवार को सम्पूर्ण प्रदेश की तरह ग्वालियर जिले में भी जिला मुख्यालय, तहसील मुख्यालय सहित नगर निगम के सभी क्षेत्रीय कार्यालयों पर जल सुनवाई का आयोजन कर नागरिकों की जल वितरण संबंधी समस्याओं को सुना जाकर उनका निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं नगर निगम आयुक्त ने दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में नई सड़क त्रिवेदी नर्सिंग होम के पास, ढोली बुआ पुल पर दो समस्याओं के निराकरण के लिये किए गए कार्य का अवलोकन किया।

देखो-देखो बायस्कोप देखो, ग्वालियर मेले में जीवंत हो रहा है बचपन का संसार

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देखो देखो बायस्कोप देखो, दिल्ली की कुतुबमीनार, आगरे का ताजमहल और घर बैठे सारा संसार देखोज्ञ यह आवाज़ सुनते ही कभी शहरों और गांवों की गलियों में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की भीड़ उमड़ पड़ती थी। यह वह दौर था जब न मोबाइल फोन थे और न ही टीवी हर घर तक पहुंचा था। मनोरंजन और ज्ञानवर्धन के ये परंपरागत साधन भले ही समय के साथ कम होते गए हों, लेकिन उनकी स्मृतियां और आकर्षण आज भी लोगों को खींच लाने की ताकत रखते हैं। ग्वालियर व्यापार मेले में अतीत की मधुर स्मृतियों को संजोए बायस्कोप को देखकर लोगों का बचपन एक बार फिर से जीवंत हो उठता है।

श्रीमंत माधवराव सिंधिया ग्वालियर व्यापार मेले में फैसिलिटेशन सेंटर के बाजू में लगे शिल्प बाजार क्षेत्र में ठिगने कद के छोटू भैया द्वारा लगाया गया पारंपरिक बायस्कोप सैलानियों, खासकर बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। पुराने फिल्मी गानों की मधुर धुनों के बीच बायस्कोप में आगे बढ़ती आकर्षक चित्रों की रील दर्शकों को सीधे अतीत के उस दौर में ले जाती है, जहां कौतूहल और आनंद एक साथ चलते थे। छोटू भैया के इस बायस्कोप में ऐतिहासिक ग्वालियर दुर्ग पर स्थित सहस्त्रबाहु मंदिर, तेली का मंदिर, मान मंदिर व ग्वालियर का सूर्य मंदिर, आगरा का ताजमहल, दिल्ली का लाल किला व इंडिया गेट एवं हिमालय की बर्फीली चोटियों के साथ-साथ नई और पुरानी फिल्मों के आकर्षक चित्र भी दिखाए जा रहे हैं। छोटू भैया का मूल नाम प्रेमचंद उमरैया है। हँसमुख स्वभाव व मनोरंजनयुक्त हाजिर जवाबी की बदौलत उन्हें सर्कस व प्रसिद्ध जादूगरों के साथ भी काम करने का अवसर मिलता रहा है। छोटू भैया कहते हैं कि मेले में बायस्कोप चलाकर व उसके साथ छोटे-छोटे खिलौने बेचकर वे अपनी जरूरत के लायक कमाई कर लेते हैं।

मुरम के अवैध उत्खनन में लिप्त जेसीबी मशीन जब्त

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में खनिज पदार्थों के अवैध उत्खनन, परिवहन व भण्डारण के खिलाफ रात्रिकाल में भी कार्रवाई की जा रही है। इस कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देश पर खनिज विभाग की टीम बुधवार की देर रात तक विभिन्न क्षेत्रों में गश्त करते हुए पहुँची। इस दौरान विक्रमपुर क्षेत्र में मिट्टी मुरम के अवैध उत्खनन में संलग्न एक जेसीबी मशीन पकड़ी गई। प्रभारी जिला खनिज अधिकारी श्री घनश्याम सिंह यादव ने बताया कि जेसीबी मशीन को विधिवत जब्त कर पुलिस थाना महाराजपुरा की अभिरक्षा में रखवाया गया है। साथ ही खनिज अधिनियम के तहत अर्थदण्ड सहित अन्य कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

यातायात निमयों के उल्लंघन की जाए कड़ी चालानी कार्रवाई - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी विभागों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए ठोस और समयबद्ध कार्यवाही के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि तेज गति से वाहन चलाना सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण होता है, इसलिए हाइवे एवं प्रमुख मार्गों पर टोल नाकों के आसपास स्पीड रडार गन के माध्यम से ओवरस्पीडिंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। बैठक में कलेक्टर ने सीहोर नगर सहित जिले के अन्य शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात को प्रभावित करने वाले अतिक्रमणों को चिन्हित कर योजनाबद्ध तरीके से हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण कर दुर्घटना संभावित ब्लैक स्पॉट चिन्हित करें और वहां विशेष सुरक्षा उपाय लागू करें। इसके साथ ही यातायात नियमों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर विशेष अभियान चलाने को भी कहा। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि सड़क सुरक्षा किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं बल्कि सभी विभागों और समाज का सामूहिक दायित्व है।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी द्वारा आदतन अपराधी को छह माह के लिए जिला बदर आदेश जारी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला दण्डाधिकारी एवं कलेक्टर नेहा मीना ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अनावेदक रामसिंह उर्फ रमजु उर्फ राजु उर्फ रमजिया पिता जुवानसिंह मेडा निवासी ग्राम आमलीफलिया, थाना कोतवाली झाबुआ (वर्तमान पता वागनेरा, थाना कालीदेवी, जिला झाबुआ) के विरुद्ध जिला बदर आदेश जारी किया है।

जारी आदेश के अनुसार अनावेदक को आदेश प्राप्त होने के 24 घंटे के भीतर झाबुआ जिले की राजस्व सीमा सहित समीपवर्ती जिले धार, रतलाम, आलीराजपुर एवं बड़वानी की राजस्व सीमाओं से छः माह की अवधि के लिए बाहर जाना होगा। साथ ही इस अवधि में बिना सक्षम न्यायालय की पूर्व लिखित अनुमति के उक्त प्रतिबंधित क्षेत्रों में प्रवेश नहीं कर सकेगा।

पुलिस अधीक्षक, जिला झाबुआ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार अनावेदक वर्ष 2009 से निरंतर आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। इसके विरुद्ध थाना झाबुआ एवं थाना कालीदेवी में हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, डकैती की तैयारी, नकबजनी, छेड़छाड़, आगजनी, वाहन दुर्घटना, मारपीट एवं बलवा जैसे गंभीर अपराध दर्ज हैं। अनावेदक के आपराधिक कृत्य सार्वजनिक व्यवस्था एवं लोक शांति को गंभीर रूप से प्रभावित करने वाले पाए गए हैं।

अनावेदक की गतिविधियों पर नियंत्रण हेतु पूर्व में प्रतिबंधात्मक कार्यवाही किए जाने के साथ-साथ गुण्डा फाइल भी खोली गई थी, किंतु इसके बावजूद उसकी आपराधिक प्रवृत्ति में कोई सुधार नहीं हुआ, बल्कि अपराधों में वृद्धि देखी गई। वर्तमान में अनावेदक के विरुद्ध कुल 26 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें से एक वर्ष के भीतर 4 नए अपराध पंजीबद्ध हुए हैं। हाल ही में अनावेदक द्वारा जिला अस्पताल परिसर, झाबुआ में रात्रि के समय बंदूक से फायर कर गंभीर आपराधिक घटना को अंजाम दिया गया।

पुलिस प्रतिवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि अनावेदक एवं उसके परिजनों की दबंग प्रवृत्ति एवं पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड के कारण क्षेत्र में भय का वातावरण व्याप्त है, जिससे आम नागरिक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने एवं न्यायालय में गवाही देने से कतराते हैं। अनावेदक एवं उसके परिवार द्वारा लगातार क्षेत्र की लोक शांति भंग कर कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न की जा रही है।

उपरोक्त तथ्यों के आधार पर यह स्पष्ट पाया गया कि यदि अनावेदक के विरुद्ध कठोर कार्यवाही नहीं की जाती, तो भविष्य में उसके द्वारा गंभीर घटनाएं घटित कर शांति व्यवस्था भंग किए जाने की पूर्ण संभावना है। इसी कारण मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 की धारा 5 (क, ख) के अंतर्गत जिला बदर की कार्यवाही की गई है।

कार्यशाला में डॉ वीणा सत्य ने निमाड क्षेत्र में स्थित संकट ग्रस्त पादपों की जानकारी एवं जैव विविधता को विस्तार से समझाया

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम 2025-26 के तहत इको क्लब एवं वनस्पति शास्त्र विभाग के तत्वावधान में प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी में कार्यषाल के पांचवें दिवस में विषय विषेषज्ञ एवं मुख्य वक्ता के रूप में कॉलेज की प्राचार्य एवं प्राध्यापक वनस्पति षास्त्र डॉ वीणा सत्य ने जैव विविधता संरक्षण पर व्याख्यान देते हुए विद्यार्थियों को जैव विविधता की परिभाषा एवं इससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से बताया तथा यह भी बताया कि निमाड़ क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण पादप जातियां विलुप्त हो चुकी है और विलुप्त के कगार पर हैं इनका नाम रेड डाटा बुक में अंकित है।

ये संकट ग्रस्त जातियॉ जैसे- विदारी कंद, उदाल कंद, कैव कंद, कुकड़ी कंद, सफेद व काली मूसली कलिहारी, रोहन, गलगल, सलई धावड़ा, कुल्लू, टीनच, चारोली, चित्रक, बीजा, सीवन, मोखा, हाथी पगा, भीलावा, तेन्दुपत्ता, करोंदा, काला धतूरा आदि पौधो के छायाचित्र एवं नमूने दिखाते हुये इनके संकट ग्रस्त होने के कारणों के बारे में जानकारी दी।

अपने इस व्याख्यान से स्नातक एवं स्नात्तकोत्तर वनस्पति षास्त्र विषय के विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्रीय पादप प्रजातियों के बारे में बताया। अलीराजपुर, झाबुआ, बड़वानी एवं खरगोन निमाड क्षेत्र में पाई जाने वाली विभिन्न महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक महत्व की प्रजातियों के बारे में उनके फोटो सहित प्रस्तुत किया और इनके यथा स्थाने और बाहय स्थाने संरक्षण के बारे में बताया।

तथा डॉ. सत्या ने जंगली जीव जैसे बाघ, मगरमच्छ, जंगली भैस के संकट ग्रस्त होने पर प्रकश डाला तथा देशी चीतों पर जानकारी देते हुए कहा जो चीते हमारे देश की मूल प्रजाति है जो विलुप्त हो गई है, जो भारत की पहचान थी। इन चीतों की देश में पुनः स्थापना के लिए भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयासों से नामिबिया से बीस चीते लाये गए जिन्हे कुनो राष्ट्रीय उद्यान में रखा गया है। दूसरे मुख्य वक्ता डॉ अमरजेंसी सोलंकी सहायक प्राध्यापक रसायन षास्त्र ने वर्तमान में मार्डन फोटोग्राफी करने के तरीके बताएं और कैमरा ग्लास और फॉक्स लाइट आदि सभी के महत्व को प्रदर्शित किया तथा नेचर फोटोग्राफी को सीखकर रोजगार प्राप्त किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सपना गोयल और आभार डॉ. राजमल सिंह राव ने व्यक्त किया इस अवसर पर वनस्पति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ डीएस चौहान इको क्लब की संयोजक डॉ. डॉली परमार, डॉ. लोकेन्द्र वर्मा श्री केषरसिंह बघेल, वीरचंद सगोरे और नीरज सेन सहित सभी स्टाफ के कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

पैसे मांगने पर 3 लोगो पर जानलेवा हमला

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पंवासा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाली गलपुरा बस्ती के लोगो जे कुछ लोगो से रंगदारी की रकम ना देने पर मारपीट करके गंभीर घायल कर दिया। हमले में तीन लोगों को गंभीर चौंटे आई है। घायलों को चरक भवन में उपचार दिया जा रहा है। पंवासा थाना पुलिस सम्बंधितों के खिलाफ प्रकरण दर्ज आरोपियों की तलाश कर रही है।

घायलों में जीतेन्द्र पिता नारायण सिंह धाकड़ (45) निवासी देसाईनगर, यश पिता पुरसोत्तम धाकड़ (19) एवं पियूष पिता जीतेन्द्र सिंह धाकड़ गंभीर रूप से घायल है। घायल जीतेन्द्रसिंह की होटल पंवासा थाना अंतर्गत मक्सी रोड स्थित उद्योग पुरी मैं है ।

जीतेन्द्र के अनुसार उनकी दुकान पर बंटी पिता जगदीश निवासी गलपुरा उसके साथी आशु मॉडल, गोविंद पिता बालू आये दिन नास्ता करने के बाद पैसे नही देते है ओर विवाद करते है। दोपहर में बंटी वह उसके दो अन्य साथी आए और नाश्ता करने के बाद पैसे नहीं दिया। पैसे मांगने पर उन्होंने 10000 महीने रंगदारी की बात कही । इस बात की जानकारी का आवेदन थाना पावसा में दोपहर में ही दे दिया गया ।

जी स बात की जानकारी बंटी बॉस के अन्य साथियों को लगी। उसके बाद उन्होंने होटल पर जाकर पथराव कर दिया। जितेन द्वारा अपने परिजनों को इसकी सूचना दी इस पर परिवार के लोग इकट्ठा हुए।सभी की सहमति से वह बंटी के घर उसके मां-बाप से उसकी शिकायत करने पहुंचे। बंटी के मां-बाप बंटी को समझा रहे थे इसी बीच बंटी व उसके अन्य साथियों ने तलवार लट्ठ से हमला कर दिया। जिससे फरियादी जीतेन्द्र, पियूष ओर यश गंभीर रूप से घायल हो गये। बंटी व उसके सभी साथी आदतन अपराधी है।

चेतावनी का भी नहीं हो रहा असर, अब तक केवल 200 मीटर सड़क बनी

आयुक्त के ट्रेनिंग पर जाते ही ठप पड़ा काम, ठेकेदार की मनमानी से नागरिक परेशान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोयला फाटक से कंठाल तक बनने वाली सड़क की डेडलाइन 30 जनवरी तय की गई थी, लेकिन हालात देखकर यह कहना मुश्किल है कि तय समय में सड़क बन पाएगी। निगम आयुक्त की सख्त चेतावनी के बावजूद अब तक केवल 200 मीटर की एक तरफ की सड़क ही बन पाई है। आयुक्त अभिलाष मिश्रा मसूरी रिफ्रेशर ट्रेनिंग पर गए हैं और उनके जाने के बाद काम की रफ्तार और धीमी पड़ गई है।

चौड़ीकरण के लिए घर टूटे, फिर भी काम में सुस्ती- इस मार्ग को चौड़ा करने के लिए नागरिकों ने अपने मकान हटाकर सहयोग दिया था। उम्मीद थी कि सड़क का काम तेज गति से होगा, लेकिन नगर निगम के ठेकेदार द्वारा काम बेहद सुस्ती से किया जा रहा है। कलेक्टर, विधायक, महापौर और महापौर परिषद के सदस्य तक इस मार्ग का निरीक्षण कर चुके हैं और निर्देश दे चुके हैं, फिर भी ठेकेदार अपनी मनमर्जी से काम चला रहा है।

आयुक्त की चेतावनी बेअसर- कुछ दिन पहले

निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि 30 जनवरी तक पूरी सड़क बन जानी चाहिए, लेकिन जमीनी हालात इसके उलट दिखाई दे रहे हैं। आयुक्त के ट्रेनिंग पर जाने के बाद नगर निगम इंजीनियर भी सक्रिय नहीं दिख रहे हैं। स्थिति यह है कि काम देखने वाला मैदान पर कोई नहीं है।

सिर्फ आयुर्वेदिक भवन तक बनी सड़क- वर्तमान में कोयला फाटक से आयुर्वेदिक भवन तक ही सड़क का एक हिस्सा तैयार हुआ है। न सिर्फ दूसरी तरफ की सड़क अधूरी है बल्कि आगे कंठाल की ओर काम की गति बेहद धीमी है।

नागरिकों की चिंता बरसात तक नहीं बनेगी सड़क- स्थानीय लोगों का कहना है कि ठेकेदार रोज थोड़ा-बहुत काम करता है, लेकिन सड़क बनाने की गति बिल्कुल संतोषजनक नहीं है। नागरिकों को आशंका है कि अगर यही हाल रहा तो बरसात आने तक भी यह सड़क पूरी नहीं होगी और लोगों को फिर से दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा।

यह है सड़क निर्माण की स्थिति

कुल डेडलाइन - 30 जनवरी

तैयार सड़क - केवल 200 मीटर (एक तरफ)

आयुक्त का स्टेटस - 1 फरवरी तक ट्रेनिंग पर

निरीक्षण कर चुके अधिकारी - कलेक्टर, विधायक, महापौर, एमआईसी सदस्य

नागरिकों की आशंका - बरसात तक भी मुश्किल से बनेगी सड़क

मुख्य बाधा - ठेकेदार की धीमी कार्यशैली और निगरानी का अभाव

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला पोषण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर ने जिले में पोषण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा विभागीय योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि कुपोषण को समाप्त करना केवल एक विभागीय विषय नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी है और आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना प्रशासन का दायित्व है। उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पताल में भर्ती कुपोषित बच्चों की माताओं को 15 दिवसीय कार्य प्रशिक्षण दिया जाए ताकि वे भविष्य में रोजगार से जुड़ सकें, आर्थिक रूप से मजबूती भी हो सकें और अपने बच्चों के साथ रहकर उनकी समुचित देखभाल भी कर सकें।

बैठक में गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं की देखभाल को लेकर कलेक्टर ने कहा कि सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु सुनिश्चित करना पोषण समिति और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि टीकाकरण, एएनसी जांच, एनीमिया एवं हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं से जुड़ी जानकारी नियमित रूप से साझा की जाए, ताकि आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से समय पर हस्तक्षेप संभव हो सके। पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में कुपोषित बच्चों के उपचार को लेकर भी व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाने के निर्देश दिए गए, जिससे पात्र बच्चों को इलाज से वंचित न रहना पड़े।

रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न

खण्डवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। इण्डियन रेडक्रॉस सोसायटी की जिला कार्यकारिणी के गठन के लिए रेडक्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य एवं अन्य सदस्यों की बैठक गुरूवार को कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में डिप्टी कलेक्टर श्री दिनेश सावले भी मौजूद थे। इस अवसर पर कलेक्टर श्री गुप्ता ने सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि रेडक्रॉस निःस्वार्थ भाव से सेवा करने का अवसर देता है। रेडक्रॉस सदस्यों को कुपोषण, चाचुआ जैसी कुप्रथा से मुक्ति, रक्तदान, और गरीबों को निःशुल्क उपचार में मदद के लिए तत्पर रहना चाहिए। कार्यकारिणी सदस्य श्री भरत झंवर ने इस अवसर पर बताया कि 1 हजार रूपए की सदस्यता शुल्क जमा कर कोई भी व्यक्ति रेडक्रॉस का आजीवन सदस्य बन सकता है। उन्होंने बताया कि रेडक्रॉस द्वारा जिला स्तर के साथ साथ खालवा ब्लॉक मुख्यालय पर जन औषधि केन्द्र संचालित किया जा रहा है। इस अवसर पर आजीवन सदस्य एवं अन्य सदस्यों में से जिला कार्यकारिणी के लिए कुल 11 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हुए। निर्विरोध निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों में श्री भरत झंवर, श्री आशीष अग्रवाल, श्री योगेश कोटवाले, श्री एच.आर. पाण्डे, अखिलेश गुप्ता, राधेश्याम कुशवाहा, रवीन्द्र सिंह, आशीष पारे, धर्मेन्द्र जौहरी, अनिल बाहेती एवं श्री भानू पटेल शामिल हैं। कलेक्टर श्री गुप्ता ने सभी नवनिर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

कलेक्टर ने उर्वरक वितरण में पारदर्शिता एवं सुगमता हेतु ई-विकास प्रणाली की समीक्षा बैठक ली

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने तथा किसानों को उर्वरक की समय पर, पारदर्शी एवं सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ई-विकास प्रणाली की शुरुआत 15 जनवरी 2026 से की गई है। इस डिजिटल प्रणाली के माध्यम से उर्वरक वितरण प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, समयबद्ध एवं पारदर्शी बनाया जाएगा।

इस संबंध में कलेक्टर नेहा मीना ने ई-विकास प्रणाली की समीक्षा बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिले की समस्त पैक्स समितियों एवं उर्वरक वितरण केंद्रों का शीघ्र पंजीयन कर रिटेलर आईडी तैयार की जाए। साथ ही समस्त कृषकों की एग्रीस्टैक फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से पूर्ण कर उन्हें ई-विकास प्रणाली से जोड़ा जाए।

कलेक्टर ने निर्देशित किया कि ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत किसान का एग्रीस्टैक फार्मर रजिस्ट्री पर पंजीयन आवश्यक है, जिसके लिए कृषि विभाग एवं राजस्व विभाग के मध्य समन्वय स्थापित किया जाए। इसके अतिरिक्त कृषक रथों के निर्धारित रूट चार्ट के अनुसार जागरूकता गतिविधियों के साथ-साथ फार्मर रजिस्ट्री बनाने का कार्य भी पूर्ण किया जाए।

इसी क्रम में कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशानुसार झाबुआ

जिले के मार्कफेड भंडारण केंद्र, झाबुआ से ई-विकास प्रणाली के अंतर्गत प्रथम ई-टोकन जारी किया गया। यह प्रथम ई-टोकन ग्राम तलावली निवासी कृषक श्री कालू भूरिया को प्रदान किया गया। इस अवसर पर कृषक का पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया गया तथा उन्हें खाद का वितरण किया गया।

ई-विकास प्रणाली- ई-विकास प्रणाली के तहत पंजीकृत किसानों को उर्वरक प्राप्ति हेतु एक ई-टोकन जारी किया जाएगा, जिसमें किसान का नाम, पंजीयन क्रमांक, उर्वरक का प्रकार एवं मात्रा, वितरण केंद्र, निर्धारित तिथि एवं समय अंकित रहेगा। यह ई-टोकन वेब पोर्टल के माध्यम से जारी होगा। किसान निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने नजदीकी उर्वरक वितरण केंद्र से उर्वरक प्राप्त कर सकेंगे।

जिला प्रशासन, झाबुआ द्वारा कृषक बंधुओं से अपील की गई है कि वे एग्रीस्टैक किसान रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से कराएं, क्योंकि किसान रजिस्ट्री पूर्ण होने के पश्चात ही ई-टोकन जारी किया जाएगा। एग्रीस्टैक किसान रजिस्ट्री एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से किसान अपनी भूमि, फसलों एवं अन्य कृषि संबंधी जानकारी दर्ज कर ई-विकास प्रणाली का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

ई-विकास प्रणाली के लागू होने से उर्वरक वितरण के दौरान अनावश्यक भीड़ में कमी आएगी, लंबी कतारों से किसानों को राहत मिलेगी तथा संपूर्ण प्रक्रिया सरल एवं पारदर्शी बनेगी। टोकन आधारित व्यवस्था से बिचौलियों की भूमिका समाप्त होगी, कालाबाजारी पर प्रभावी अंकुश लगेगा तथा प्रत्येक वितरण का डिजिटल रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा। साथ ही रीयल-टाइम डेटा विश्लेषण के माध्यम से उर्वरक की मांग एवं आपूर्ति पर बेहतर नियंत्रण संभव होगा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री सी.एस. सोलंकी, उप संचालक कृषि श्री एन.एस. रावत, जिला विपणन अधिकारी सुश्री अमिता मोरे सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय शैक्षिक ओलम्पियाड का आयोजन 16 और 17 जनवरी को

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के समस्त शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में अध्यनरत कक्षा 2 से 8 के विद्यार्थियों के जिला स्तरीय (द्वितीय चरण) शैक्षिक ओलम्पियाड का आयोजन 16 और 17 जनवरी 2026 को होगा। यह प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड मुख्यालय पर होगा। इस शैक्षिक ओलम्पियाड में जनशिक्षा केन्द्र स्तर के लगभग 2 लाख विजेता विद्यार्थी सहभागिता करेंगे।

उल्लेखनीय है कि, इस शैक्षिक ओलम्पियाड अंतर्गत जनशिक्षा केन्द्र स्तर की परीक्षा का आयोजन दिनांक 18 नवंबर 2025 को प्रदेश के समस्त जनशिक्षा केन्द्र के परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न हुआ था। संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह ने बताया कि, जन शिक्षा केन्द्र स्तरीय ओलम्पियाड उपरांत जिला स्तरीय ओलम्पियाड के लिए प्रत्येक जनशिक्षा केन्द्र से कक्षा 2 एवं 3 के तीनों विषयों के 04-04 टॉपर विद्यार्थी तथा कक्षा 4 एवं 5 से चारों विषयों के टॉपर 04-04 विद्यार्थी अर्थात् प्रत्येक जनशिक्षा केन्द्र से कक्षा 2-5 के कुल 28 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। वहीं कक्षा 6 से 8 के तहत जनशिक्षा केन्द्र स्तर से सर्वाधिक अंकों के आधार पर प्रत्येक विषय से 06-06 विद्यार्थियों के रूप में एक जनशिक्षा केन्द्र से कुल 36 विद्यार्थियों का चयन जिला स्तरीय ओलंपियाड के लिए किया गया है। जन शिक्षा केन्द्र स्तर के ओलम्पियाड में शामिल लगभग 14 लाख 23 हजार से अधिक विद्यार्थियों में से लगभग 2 लाख विद्यार्थी जिला स्तरीय शैक्षिक ओलम्पियाड के लिए चयनित हुए हैं।

कलेक्टर बालागुरू के. ने एसआईआर कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में अनमैप मतदाताओं को नोटिस जारी करने, दावे-आपत्तियां प्राप्त करने तथा सुनवाई की कार्रवाई की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि बीएलओ सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मतदाताओं को आवश्यक सहयोग प्रदान करें, ताकि अद्यतन प्रक्रिया सुचारू रूप से पूरी की जा सके। उन्होंने दावे-आपत्तियां प्राप्त करने और उनकी सुनवाई के कार्य में और अधिक गति लाने पर विशेष जोर दिया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने स्पष्ट कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दौरान कोई भी पात्र मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए। इसके लिए सभी ईआरओ, एईआरओ अपने-अपने क्षेत्र में सतत निगरानी रखें और निर्धारित समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह एवं इछावर एसडीएम श्रीमती स्वाति मिश्रा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बड़वानी जिले में संकल्प से समाधान अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन जारी

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री के मंशानुसार और कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह के कुशल मार्गदर्शन में जिले में 12 जनवरी से 31 मार्च 2026 तक संकल्प से समाधान अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचाना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करना है। जिले के विभिन्न विकासखंडों में अभियान की वर्तमान स्थिति इस प्रकार है- 1. निवाली विकासखण्ड- घर-घर पहुँच रही सेवाएँ निवाली विकासखण्ड के ग्राम वासवी, खेड़ी, गुमड़ियाखुर्द और बड़गाँव में विशेष दलों द्वारा घर-घर जाकर सर्वे किया जा रहा है।

दल के सदस्य नागरिकों से सीधे संवाद कर विभिन्न शासकीय योजनाओं और सेवाओं से संबंधित आवेदन एकत्रित कर रहे हैं, ताकि पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा सके। 2. पानसेमल जनपद पंचायत- योजनाओं का मिल रहा लाभ पानसेमल क्षेत्र के ग्राम

शिवनीपडवा एवं पन्नाली में भी अभियान गति पकड़ रहा है। यहाँ प्रशासनिक दलों द्वारा घर-घर जाकर शासन की योजनाओं की जानकारी दी जा रही है और मौके पर ही आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। 3. बड़वानी विकासखण्ड- शिविरों के माध्यम से समाधान बड़वानी विकासखण्ड के ग्राम तलवाड़ा, बोम्या, बड़वानी खुर्द, काजल माता, मेणीमाता, पिपलाज, कल्याणपुरा, सजवानीखम, बरूखोदरा एवं हीरकराय में दल सक्रिय हैं।

यहाँ न केवल घर-घर दस्तक दी जा रही है, बल्कि ग्राम चौपालों पर शिविर आयोजित कर नागरिकों की समस्याओं को सुना जा रहा है और उनके आवेदन लिए जा रहे हैं। 4. पाटी विकासखण्ड- दर्ज हो रहे है आवेदन एवं समस्याएं पाटी विकासखण्ड के ग्राम पाटी एवं पोसपुर में आयोजित विशेष शिविरों में बड़ी संख्या में नागरिक पहुँच रहे हैं। यहाँ ग्रामीणों को विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है और उनकी शिकायतों एवं समस्याओं पर समाधान की तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

5.नगर पालिका परिषद बड़वानी- वार्डों में सघन संपर्क बड़वानी शहर के वार्ड क्रमांक 11, 12, 16 और 20 में नगर पालिका की टीमों द्वारा घर-घर जाकर नागरिकों से सीधा संवाद किया जा रहा है। भ्रमण के दौरान दल द्वारा शासन की विभिन्न योजनाओं से संबंधित नए आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं और पुरानी शिकायतों को दर्ज कर उनके निराकरण की आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। 6.नगर पालिका परिषद सेंधवा- जागरूकता और समाधान साथ-साथ सेंधवा के विभिन्न वार्डों में भी यह अभियान जोर-शोर से जारी है। यहाँ प्रशासनिक अमला न केवल नागरिकों की समस्याओं के आवेदन प्राप्त कर रहा है, बल्कि उन्हें शासन की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी दे रहा है, ताकि पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। 7.नगर परिषद निवाली- द्वार-द्वार पहुंच रही टीम निवाली क्षेत्र में भी कलेक्टर के निर्देशन में नगर परिषद की टीमें सक्रिय हैं। घर-घर जाकर लोगों से संपर्क साधा जा रहा है और मौके पर ही आवेदन एकत्रित किए जा रहे हैं। अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों को पोर्टल पर दर्ज कर समय सीमा में निराकृत करने के निर्देश दिए गए हैं।

सिंहस्थ 2028 में उज्जैन जीआरपी बनाएगी 5 से अधिक अस्थाई पुलिस चौकियां

फिलहाल उज्जैन रेलवे की सीमा में एक थाना और दो चौकियां है मौजूद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर जीआरपी पुलिस द्वारा उज्जैन से लगे कई स्टेशनों पर अस्थायी पुलिस चौकियां बनाई जाएगी। साथ ही आवश्यकता के हिसाब से पुलिस बल भी बढ़ाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ 2028 में 15 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के उज्जैन आने का अनुमान है। इस दौरान 1000 से अधिक ट्रेनों को चलाने की तैयारी रेलवे की है। इसके साथ ही सिंहस्थ में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए रेलवे दो फ्लेग स्टेशनों पर आवाजाही का नया प्लान बना रहा है। ऐसे में सिंहस्थ के दौरान उज्जैन आने वाली ट्रेनों और आसपास बने छोटे बड़े स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा के लिए जीआरपी पुलिस 5 से अधिक अस्थाई पुलिस चौकियाँ बनाएगी। इसके अलावा सिंहस्थ के दौरान चलने वाली सभी स्पेशल ट्रेनों में सुरक्षा जवानों की ड्यूटियाँ भी लगाई जाएगी।

बता दें कि अब तक भीड़ नियंत्रण को लेकर कुम्भ 2016 जैसी व्यवस्था पर काम किया जा रहा था लेकिन सिंहस्थ 2028 में श्रद्धालुओं की संख्या लगभग 3 गुना बढ़ेगी, इसको लेकर रेलवे ने भीड़ नियंत्रण के कई नए प्लान तैयार किए हैं। जिन्हें वर्ष 2028 शुरू होने से पहले ही धरातल पर उतरा जाएगा। वर्तमान में उज्जैन रेलवे की सीमा एवं क्षेत्राधिकार में केवल एक थाना और दो पुलिस चौकियां बनी है। इसमें जीआरपी पुलिस का थाना उज्जैन रेलवे स्टेशन पर बना है और चौकियों में एक चौकी देवास और एक मक्सी रेलवे स्टेशन पर बनी हुई है।

निगरानी के होंगे पुख्ता इंतजाम- जीआरपी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सिंहस्थ के दौरान रेल यात्रियों की सुरक्षा इंतजामों पर खास ध्यान रखा जाएगा। जीआरपी जवानों के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।

उस समय उज्जैन स्थित जीआरपी थाना तथा आसपास बनी स्थाई और अस्थाई पुलिस चौकियों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। साथ ही पुलिस थानों की दशा भी सुधारी जाएगी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

सुबह से शुरू हुआ मकर संक्रांति का स्नान, घाटों पर लगी डुबकियां

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मकर संक्रांति का पावन पर्व उज्जैन में गुरुवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। बुधवार के बाद आज भी शिप्रा नदी के घाटों पर आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह ब्रह्म मुहूर्त से ही रामघाट, दत्त अखाड़ा घाट सहित अन्य स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने शिप्रा नदी में पवित्र स्नान कर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

मान्यता है कि मकर संक्रांति के अवसर पर शिप्रा स्नान का विशेष महत्व है, जिसे लेकर दूर-दराज से भी श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे। पावन स्नान को लेकर प्रशासन और नगर निगम द्वारा घाटों पर साफ-सफाई, सुरक्षा, पेयजल सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस और होमगार्ड के जवान भी तैनात रहे, जिससे स्नान शांतिपूर्ण और सुरक्षित रूप से संपन्न हुआ। घाट क्षेत्र में पूरे दिन भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। श्रद्धालु जयकारों के साथ पर्व की खुशियां मनाते नजर आए। वहीं दूसरी ओर शहर में पतंगबाजी का भी खास उत्साह देखने को मिला, जहां सुबह से ही पतंग प्रेमी छतों पर चढ़कर पतंग उड़ाते दिखाई दिए। मकर संक्रांति के इस पर्व ने शहर को धार्मिक आस्था और लोक उत्सव के रंग में रंग दिया।

सर्वार्थ सिद्धि योग- इस वर्ष मकर संक्रांति पर सर्वार्थ सिद्धि योग है। साथ ही अश्विनी और अनुराधा नक्षत्र का प्रभाव है। विशेष बात यह है कि सूर्य के साथ-साथ मंगल, बुध और शुक्र का भी कुछ ही दिनों में राशि परिवर्तन होगा, जिससे यह संक्रांति और अधिक फलदायी मानी जा रही है। मकर संक्रांति पर खिचड़ी दान, तिल का दान, तिल स्नान और तिल के लड्डू का विशेष महत्व होता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार चावल को देव अन्न माना गया है, जबकि मूंग इस ऋतु की पहली फसल होती है। तिल दान को उन्नति, समृद्धि और सुख-शांति से जोड़ा गया है।ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, जिन लोगों पर शनि की साढ़ेसाती, ढैया या पितृ दोष का प्रभाव है, वे तांबे के कलश में काले तिल भरकर, उस पर स्वर्ण रखकर वैदिक ब्राह्मण को दान किया। इससे कार्यों में प्रगति और पारिवारिक संबंधों में सुधार होता है। महिलाओं के लिए भी इस दिन दान का विशेष महत्व होता है। महिलाएं वस्त्र, सुहाग सामग्री और अन्न का दान करती हैं। इसके अलावा जरूरतमंदों और गरीब परिवारों को भोजन कराना भी श्रेष्ठ पुण्य माना।

बहू की मौत से दुखी सास ने लगाई फांसी, 2 दिन बाद मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दो दिन पहले गले में फंदा डालकर फांसी लगाने वाली महिला की 2 दिन चले उपचार के बाद रात में मौत हो गई। महिला बहू की मौत के बाद से डिप्रेशन में थी।

भेरूगढ़ क्षेत्र में रहने वाली अंगूरी बाई पति हीरालाल केवट 40 साल को दो दिन पहले मकान की ऊपरी मंजिल के कमरे से परिजनों ने फंदे से उतरा था। अंगूरी बाई ने साड़ी का फंदा बनाकर फांसी लगाई थी। परिजनों के निजी अस्पताल लाने पर उसकी सांसे चल रही थी जिसके चलते डॉक्टर ने आईसीयू में भर्ती किया था। दो दिन चले उपचार के बाद बीती रात महिला की मौत हो गई। गुरुवार सुबह पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। पुत्र राजेश ने बताया कि मां कुछ दिनों से डिप्रेशन में थी।

दो माह पहले बहू कविता की डिलीवरी के दौरान मौत हो गई थी नवजात शिशु भी नहीं बच पाया था। जिसके बाद से लगातार करने की बात कह रही थी। 13 तारीख को कविता का कार्यक्रम रखा गया था परिवार के सभी सदस्य आए थे घर में श्रद्धांजलि सभा चल रही थी इस दौरान मां अंगूरी बाई ऊपरी कमरे में चली गई और फांसी लगा ली परिवार में आई दो बच्चियों ने लटका देख शोर मचाया था। लेकिन मां को तत्काल फंदे से उतार लिया था लेकिन वह बेहोश हो गई थी। उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया था।

मकर संक्रांति... महाकाल को लगा तिल और गुड़ का भोग

एक दिन पहले सुबह से लेकर देर शाम तक खूब हुई पतंगबाजी - लाखों का व्यवसाय हुआ

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इस बार दो दिन मकर संक्रांति पर्व मनाया जा रहा है। एक दिन पहले दोपहर से आरंभ हुई तिथि के कारण संक्रांति पर खूब पतंगबाजी हुई और आज तडक़े भगवान महाकाल को तिल और गुढ़ का भोग लगाया गया है। सुबह हुई भस्म आरती में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए। मकर संक्रांति के चलते आज मंदिरों और शिप्रा नदी के घाट पर भी स्नान करने के लिए भी लोग पहुंचने लगे थे।

गुरुवार को महाकालेश्वर मंदिर में तिल के तेल और उबटन से बाबा का शृंगार किया गया। शृंगार के बाद बाबा को तिल से स्नान और श्रृंगार करने के बाद तिल के लड्डुओं का भोग लगाया गया। बता दें कि मकर संक्रांति के पर्व को दान पुण्य के लिए सबसे अच्छा माना जाता है। भक्तों द्वारा शिप्रा नदी के घाट पर स्नान कर देव दर्शन के बाद दान पुण्य किया जा रहा है। रामघाट पर कल भी स्नान हुआ और आज भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। बुधवार सुबह से हजारों श्रद्धालुओं द्वारा शिप्रा के तट पर आस्था की डुबकी लगाई गई थी। मकर संक्रांति पर इस बार भी खूब पतंगबाजी हुई और पतंग बाजार में लभगग 40 लाख से अधिक का व्यवसाय हुआ।

अस्पताल में पत्नी की मौत के बाद गायब हुआ पति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चरक अस्पताल में मंगलवार रात घायल महिला को एक व्यक्ति लेकर पहुंचा था। उसने खुद को पति बताया और महिला को उपचार के लिये भर्ती किया। बुधवार तड़के महिला की मौत हो गई। खुद को पति बताने वाला पत्नी की मौत के बाद लापता हो गया। अब पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

कोतवाली थाना पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात चरक अस्पताल से सूचना प्राप्त हुई थी कि लीलाबाई पति कालू भील 40 साल निवासी मोरवानी रतलाम को घायल हालत में उपचार के लिये भर्ती कराया गया है। उसे लाने वाला पति कालू भील है। सूचना पर पुलिस ने जानकारी जुटाई, इस दौरान सामने आया कि घायल महिला को उसका पति कालू देवास से लेकर आया है। जहां चार पहिया वाहन से टक्कर लगने पर चोंट लगी है। पुलिस मामले की जांच शुरू करती उससे पहले बुधवार तड़के लीलाबाई की मौत हो गई। अस्पताल स्टॉफ द्वारा दोबारा पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस अस्पताल पहुंची तो सामने आया कि उसका पति कालू भील लापता है, उसने अपना मोबाइल नम्बर भी दर्ज नहीं कराया था। पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कहीं पता नहीं चला। शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया।

एसआई गोपाल राठौर ने बताया कि कालू भील ने जो पता अस्पताल में दर्ज कराया था, उस स्थान पर संपर्क किया गया, वहां कालू के परिजनों से चर्चा हुई, लेकिन उन्होने लीलाबाई को कालू की पत्नी नहीं होना बताया। कालू के भी घर नहीं लौटने की बात कहीं। एसआई के अनुसार महिला मजदूर प्रतीत हो रही है। कालू के साथ मृतक महिला के परिजनों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। जिनके मिलने पर ही पोस्टमार्टम कराया जायेगा।

सुबह-सुबह गुरु बृहस्पति मंदिर पहुंचे मुख्यमंत्री, दर्शन किए

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री कल उज्जैन आए थे और रात्रि विश्राम यहीं किया। इसके बाद आज सुबह-सुबह वे गोला मंडी स्थित गुरु बृहस्पति मंदिर पहुंचे और पूजन पाठ किया। सुबह करीब 7-30 बजे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने धर्मपत्नी के साथ गोला मंडी स्थित गुरु बृहस्पति मंदिर पहुंचे और यहां पर उन्होंने पूजन-पाठ, अभिषेक किया। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी ने उनका सम्मान किया। इसके बाद गोला मंडी स्थित चाय की दुकान पर पहुंचे और उन्होंने चाय पी और दुकानदार से बातचीत की। उन्होंने कहा कि पुराने समय में हम यहीं पर आते थे और दर्शन करने के बाद कभी-कभी यहां पर चाय पीते थे। इसलिए आज भी याद है। इसके बाद मुख्यमंत्री ने चाय के पैसे दिए तो दुकानदार ने लेने से मना किया तो मुख्यमंत्री ने जबरदस्ती उसे चाय के पैसे दिए।

सूने मकान में वारदात, 1 लाख और आभूषण चोरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मकर संक्रांति की रात लालपुल के पास सूने मकान में बदमाशों ने ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। बदमाश आभूषणों के साथ नगदी चुरा कर ले गए हैं। महाकाल थाना पुलिस ने बताया कि लालपुल के पास पीर जंगली दरगाह क्षेत्र में प्रदीप पिता भेरुलाल माली का मकान बना हुआ है। कुछ समय पहले प्रदीप ने कुछ दूरी पर ही नया मकान बना लिया था। पुराना मकान सूना पड़ा हुआ था। मकर संक्रांति की रात अज्ञात बदमाशों ने पुराने मकान का ताला तोड़कर अलमारी में रखें हजारों रुपए नगद, सोने की अंगूठी, पेंडल, चांदी के आंवले, कंदोरा, बिछिया, पायजेब और बच्चों के कड़े चोरी कर लिए। संक्रांति की सुबह परिवार को ताला टूटा होने और घर का सामान बिखरा पड़ा होने की जानकारी लगी तो चोरी की सूचना पुलिस को दी गई। अज्ञात बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज देखे जा रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि चोरी को आसपास क्षेत्र में रहने वाले बदमाशों ने अंजाम दिया है।

पतंग उड़ाने के विवाद में युवक को मारे चाकू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दिन में पतंग उड़ाने की बात पर हुए विवाद में शाम को चार युवकों ने मिलकर एक युवक को चाकू मार दिये। घायल युवक को उसका दोस्त अस्पताल लेकर पहुंचा। पुलिस ने बयान लेकर मामला दर्ज किया है।

पंवासा थाना क्षेत्र के चकोर पार्क गेट नंबर 1 के सामने रवि उर्फ बारीक पिता मनोज पाल निवासी निमानवासा का रास्ता रोक आकाश, राजकुमार, अनिल और राहुल ने चाकू से हमला कर दिया। रवि घायल हो गया जिसे दोस्त अस्पताल लेकर पहुंचा। थाना क्षेत्र में हुई चाकूबाजी की सूचना मिलने पर पुलिस घायल से पूछताछ करने अस्पताल पहुंची। जहां सामने आया कि रवि का दिन में पतंग उड़ाने की बात पर हमला करने वालों से विवाद हुआ था लेकिन उसे वक्त मामला शांत हो गया था। शाम को पतंगबाजी का सिलसिला समाप्त होने पर घायल अपने दोस्त के साथ जा रहा था इस दौरान उसे पर चाकू से हमला किया गया। पुलिस ने मामले में चारों हमलावरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की है।

इधर मुखबिरी को लेकर चाकूबाजी- नीलगंगा थाना क्षेत्र की राजीव रत्न कॉलोनी मल्टी में भी शाम को चाकू बाजी की घटना हुई दीपक पिता जगदीश खींची 21 साल को अजय भाट ने चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने घायल के बयान दर्ज किया तो किसने बताया कि वह कम्युनिटी हॉल की छत से पतंग उड़ा कर नीचे उतरा था इस दौरान अजय ने उसे रोका और पुलिस को मुखबिरी करने की बात पर विवाद करते हुए चाकू से हमला किया। घायल का कहना था कि अजय क्षेत्र में मादक पदार्थ बेचता है। नीलगंगा पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।